



कर्नाटक का सियासी घमासान ‘थमा’

सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद छोड़ा, डीके शिवकुमार के नाम का किया प्रस्ताव

एजेंसी बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल की अनुपस्थिति में उनके

●माना जा रहा है कि विधायक दल की बैठक आज 29 मई की शाम 5 बजे बेंगलुरु के एक होटल में बुलाई गई है।

ब्रेकफास्ट के साथ बैठक कीथी। हालांकि यह बैठक एक घंटा देर से शुरू हुई क्योंकि सिद्धारमैया खुद एक



घंटे की देरी से अपने आवास में उस जगह पहुंचे, जहां मंत्रियों के लिए ब्रेकफास्ट की टेबल सजी थी। बैठक

में शिवकुमार और सिद्धारमैया ने एक-दूसरे को गले लगाकर एकजुटता का संदेश दिया और

का धन्यवाद दिया। इसके बाद सिद्धारमैया राजभवन पहुंचे। राज्यपाल की अनुपस्थिति में सिद्धारमैया ने उनके सचिव को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके तुरंत बाद कर्नाटक कांग्रेस ने अपने एक्स हैडल पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार की फोटो शेयर करते हुए लिखा, ‘उस दिन, आज के दिन, हमेशा के लिए... एकता ही हमारी शक्ति है! जनसेवा ही हमारी शाश्वत प्रतिबद्धता है! बताया गया कि सिद्धारमैया ने ब्रेकफास्ट बैठक में अपने इस्तीफे का एलान करते हुए अगले मुख्यमंत्री के लिए डीके शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव भी कर दिया है। हालांकि, मुख्यमंत्री के नाम पर विधायक दल की मोहर लगनी अभी बाकी है।

कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के सीएम पद के लिए शिवकुमार का किया समर्थन

वडेड़ीवार ने कहा कि चुनावों से पहले कुछ घर्चाएं हुई थीं और यह सब उसी से जुड़ा है। सिद्धारमैया हमारी पार्टी के बहुत वरिष्ठ और सम्मानित नेता हैं। पार्टी में उन्हें पूरा सम्मान दिया जाएगा। उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है और मुख्यमंत्री के तौर पर अच्छा काम किया है। उन्होंने आगे कहा, ‘इस स्थिति में वरिष्ठ नेताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें अच्छे बाद और काम करने के अवसर देते हुए।

मनोहर लाल ने भलस्वा डंपसाइट का दौरा कर कार्यों की

●समीक्षा, 43 एकड़ भूमि हुई खाली

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने भलस्वा डंपसाइट का दौरा कर वहां चल रहे अपशिष्ट निस्तारण और भूमि पुनः प्राप्ति कार्यों की

समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीकों से हो रही अपशिष्ट निस्तारण प्रक्रिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप है। भलस्वा डंपसाइट को मंत्रालय ने कचरा स्थल निस्तारण एवं कार्य



योजना (डीआरएपी) पहले के तहत अपनाया है। यह मिशन मोड कार्यक्रम देशभर के बड़े पुराने कचरा स्थल को वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित कर ‘लक्ष्य शून्य कचरा स्थल’ हासिल करने पर केंद्रित है। उन्होंने सितंबर 2025 में इस साइट को औपचारिक रूप से अपनाने की घोषणा की थी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि जून 2022 में यहां लगभग 73 लाख मीट्रिक

टन अपशिष्ट था। जुलाई 2022 से प्रतिदिन लगभग 15 हजार मीट्रिक टन अपशिष्ट का जैव अपशिष्ट खनन किया जा रहा है। 26 मई 2026 तक शेष अपशिष्ट घटकर लगभग 23.17 लाख मीट्रिक टन रह गया है। अब तक

करीब 43 एकड़ भूमि पुनः प्राप्त की जा चुकी है, जबकि कुल क्षेत्रफल लगभग 70 एकड़ है। मनोहर लाल ने समीक्षा के दौरान जैव अपशिष्ट खनन कार्यों, पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों, अग्नि रोकथाम, रिसाव (लीकेज) प्रबंधन और संपूर्ण

निस्तारण रूपरेखा पर चर्चा की। उन्होंने सितंबर तक कचरा स्थल की पूरी सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि योजना उत्पन्न होने वाले ताजा अपशिष्ट का तुरंत निस्तारण किया जाए ताकि नया पुराना कचरा न बने। मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि पुनः प्राप्त भूमि का उपयोग जनकल्याण और सार्वजनिक हित में किया जाए।

राजधानी दिल्ली में ईद अल अजहा का त्योहार पूरी अकीदत और एहताराम के साथ मनाया गया

एजेंसी नई दिल्ली।। राजधानी दिल्ली में आज ईद अल अजहा का त्योहार पूरी अकीदत और एहताराम के साथ मनाया गया। सुबह-सुबह ईदगाह, मस्जिदों में ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई और इसके बाद जानवरों की कुर्बानी पेश की गई। इस मौके पर ईदगाहों और मस्जिदों से विश्व शांति, देश की तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं। ऐतिहासिक शाही जामा मस्जिद में इमाम सैयद अहमद बुखारी ने नमाज अदा कराई। अपने विशेष संबोधन में उन्होंने ईद अल अजहा के महत्व पर प्रकाश

शाही मस्जिद फतेहपुरी के इमाम डॉ मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने ईद अल अजहा की नमाज अदा कराई। इस अवसर पर अपने विशेष संबोधन में

हजरत निजामुद्दीन औलिया, दरगाह हजरत बख्तियार काकी में भी ईद की नमाज अदा की गई। जामिया मिलिया इस्लामिया और जामिया हमदद में भी



उन्होंने देश-दुनिया के ताजा हालात का जिक्र किया। उन्होंने विश्व में शांति और देश की तरक्की व खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की। रानी झांसी रोड स्थित ईदगाह में भी बड़ी तादाद में मुसलमानों ने नमाज अदा की। दरगाह

ईद की नमाज का आयोजन किया गया जहां पर बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज में भाग लिया। सभी बड़े मुस्लिम संगठनों के मुख्यालयों में स्थित मस्जिदों से भी नमाज का एहतैमा किया गया।

उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश वर्मा ने दिया त्यागपत्र

विधि एवं न्याय मंत्रालय की अधिसूचना और प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने इसकी पुष्टि की



एजेंसी नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आलोक कुमार वर्मा ने निजी कारणों से अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। विधि एवं न्याय मंत्रालय की अधिसूचना और प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) ने इसकी पुष्टि की है।

वर्मा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आशीष नैथानी भी आगामी 3 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके सम्मान में उच्च न्यायालय के फुल कोर्ट रेफरेंस आयोजित किया जाएगा। इस तरह उत्तराखंड उच्च

हवाओं के नरम रुख से गर्मी से मामूली राहत

●कई जिलों में आंधी—बारिश व ओलावृष्टि की चेतावनी

एजेंसी लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम के बदले रुख से भीषण गर्मी और हीट वेव से परेशान लोगों को गुरुवार से राहत मिलने वाली है। भारतीय मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में अगले 24 घंटों में तेज आंधी, बारिश, ओलावृष्टि और गरज-चमक बजपात होने संभावना जताई है। ऐसा होने से तापमान गिरगा और गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि आज बुंदेलखंड व प्रयागराज में लू और तपिश बनी हुई है।

मौसम विभाग ने आगरा, मेरठ, कानपुर, हमीरपुर, बांदा समेत कई जिलों में तेज हवाएं चलने, बिजली चमकने और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। भीषण गर्मी और तपिश से झेल रहे उत्तर प्रदेश के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद दिख रही है। गुरुवार को लखनऊ समेत कई जिलों में तापमान तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है और

हवाओं के रुख में भी नरमी दिख रही है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के चलते प्रदेश के



ज्यादातर हिस्सों में गुरुवार से 31 मई के बीच तेज आंधी और बारिश की संभावना नजर आ रही है। इतना ही नहीं प्रदेश के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। ऐसा होने से प्रदेश के तापमान में 8 से 10 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी और इस बदलाव से एक सप्ताह तक

लू और झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिल जाएगी। फिलहाल बृहस्पतिवार को बुंदेलखंड व प्रयागराज में लू और

तपिश महसूस की जा रही है। मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ केंद्र के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधी चल सकती है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की तेज हवाओं का अनुमान है।

गुजरात में इबोला संदिग्ध की रिपोर्ट नेगेटिव

सरकार की अप्रवाहों से बचने की अपील

एजेंसी अहमदाबाद। गुजरात के स्वास्थ्य राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रफुल पंशेरिया ने गुरुवार को बताया कि कांगो से आए एक संदिग्ध इबोला वायरस संक्रमित मरीज की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। उन्होंने नागरिकों से किसी भी प्रकार की अफवाह या घबराहट से दूर रहने की अपील की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने लिखा, ‘कांगो से आए इबोला वायरस के एक संदिग्ध मरीज की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे किसी भी प्रकार के डर या घबराहट में न पड़ें, अफवाहों से दूर रहें और केवल स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।’ एक अन्य पोस्ट में प्रफुल पंशेरिया ने लिखा, ‘गुजरात सरकार और स्वास्थ्य विभाग जन स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पूरी तरह सतर्क, सुसज्जित और प्रतिबद्ध हैं।’ इससे पहले, स्वास्थ्य अधिकारियों ने अफ्रीका से हाल ही में लौटे एक व्यवसायी सहित चार लोगों को क्वारंटाइन किया था। गुजरात के शिक्षा मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने बुधवार को यह जानकारी दी थी। मंत्री के अनुसार, 37 वर्षीय व्यवसायी अमेरी लोकोला लगभग पांच से सात दिन पहले मुंबई पहुंचे और फिर वडोदरा चले गए। वडोदरा पहुंचने पर व्यवसायी को बुखार आने पर बैंकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। राज्य के स्वास्थ्य विभाग को मिली सूचना के आधार पर उन्हें अहमदाबाद सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां इबोला के लिए एक अलग आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है।

राष्ट्रपति ने सिक्किम पुलिस को ‘राष्ट्रपति पुलिस ध्वज’ से सम्मानित किया



एजेंसी गंगटोक। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गंगटोक में गुरुवार को आयोजित एक समारोह में सिक्किम पुलिस को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए ‘राष्ट्रपति पुलिस ध्वज’ से सम्मानित किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने सिक्किम पुलिस से जुड़े सभी भूतपूर्व और वर्तमान पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को इस सम्मान के लिए बधाई दी। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 1897 में अपनी स्थापना के बाद से ही इस बल ने सिक्किम में शांति, सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत की पुलिस व्यवस्था पर औपनिवेशिक शासन की गहरी छाप है। औपनिवेशिक अधीनता के दौर में पुलिस का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना नहीं, बल्कि उन पर नियंत्रण रखना और सत्ताधारी शासन के आदेशों को सख्ती से लागू करना था। इसी कारण पुलिस व्यवस्था में औपनिवेशिक मानसिकता घर कर गई। इस मानसिकता के तहत पुलिस में जनता के साथ सहयोग करने के बजाय उन पर शासन करने का रवैया हावी था।

मशहूर शायर डॉ. बशीर बद्र का निधन

●डिमेंशिया से जूझते हुए 91 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

एजेंसी मुंबई। उर्दू अदब व गजल की दुनिया के मशहूर शायर और पद्मश्री सम्मानित साहित्यकार डॉ. बशीर बद्र का गुरुवार को भोपाल में निधन हो गया। 91 साल की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर सामने आते ही शोक की लहर दौड़ गई। सोशल मीडिया पर लोग उनके मशहूर शेर साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, डॉ. बशीर बद्र लंबे समय से डिमेंशिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। उनकी याददाश्त जा चुकी थी। परिवार के करीबी लोगों के



अनुसार, पिछले कुछ समय से वे लोगों को पहचान भी नहीं पा रहे थे।

अभी अंतिम संस्कार के समय को लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, बताया जा रहा है कि उनका अंतिम संस्कार गुरुवार शाम को भोपाल में ही किया जा सकता है। डॉ. बशीर बद्र का साहित्यिक सफर बेहद शानदार और प्रेरणादायक रहा। उनका जन्म 15 फरवरी 1935 को उत्तर प्रदेश के फैजाबाद जिले में हुआ था। उनका असली नाम सैयद मोहम्मद बद्र था। बचपन से ही उन्हें शेर-ओ-शायरी का शौक था। कहा जाता है कि उन्होंने महज सात साल की उम्र से शायरी लिखना शुरू कर दिया था।

●इन मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी। इसके साथ ही दोनों नेताओं की फोटो भी शेयर की। पीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘‘महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र



मोदी से मुलाकात की।’’ वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करने के बाद बताया महाराष्ट्र के विकास से

जुड़े विभिन्न विषयों पर उनका मार्गदर्शन मिला। इसके साथ ही महाराष्ट्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और परियोजनाओं की स्थिति

के बारे में भी जानकारी दी। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने पीएम मोदी से मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ‘‘आज नई दिल्ली में हमारे नेता और राष्ट्र के प्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। महाराष्ट्र के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मैंने उन्हें महाराष्ट्र के कई कार्यों और परियोजनाओं की प्रगति और वर्तमान स्थिति के बारे में भी जानकारी दी।’’ उन्होंने आगे लिखा, ‘‘हमारे प्रधानमंत्री जी से मिलना हमेशा ही प्रेरणादायक होता है और

इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आपका बहुत-बहुत आभार, माननीय प्रधानमंत्री जी।’’

हालांकि, एक तरफ जहां सीएम फडणवीस इस मुलाकात में महाराष्ट्र के विकास कार्यों और प्रोजेक्ट्स पर चर्चा बता रहे हैं। वहीं, महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक किसानों और सहकारी चीनी उद्योग को लेकर भी केंद्रीय मंत्रियों से बातचीत की बात कही जा रही है।इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नई दिल्ली में स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

आदिपुर में १300 के स्टाम्प पेपर के लिए १330 की रिश्वत लेते वकील और महिला रंगे हाथों पकड़े गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो



आदिपुर। एंटी-करप्शन ब्यूरो ने एक बार फिर भ्रष्टाचार के खतरे को रोकने के लिए आंखें मूंद ली हैं। आपत्ति पर सरकारी दफ्तरों में रिश्वतखोरी के मामले सामने आते हैं, लेकिन इस बार कच्छ में कानून के रखवाले माने जाने वाले एक वकील को रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया है, जिससे बड़ा हंगामा मच गया है। गांधीधाम तालुका के आदिपुर में वकील और ई-स्टाम्पिंग वेंडर के तौर पर काम करने वाले अनिलभाई सोमदत्त नाथानी और उनकी साथी जैनीबेन नितिनभाई सोनी सिर्फ १330/- की रिश्वत लेने के आरोप ACB के चंगुल में फंस गए हैं।

क्या था पूरा मामला?

जानकारी के मुताबिक, इस मामले में शिकायत करने वाले ने अपने पर्सनल डॉक्यूमेंट के लिए १330/- लिए थे। १300/- के ई-स्टाम्प पेपर की जरूरत थी। जब वे आदिपुर में लाइसेंस वाले ई-स्टाम्पिंग वेंडर अनिलभाई नाथानी के ऑफिस पहुंचे, तो वकील ने तय चार्ज के अलावा 330 रुपये की एकस्ट्रा गैर-कानूनी रकम (रिश्वत) माँगी। क्योंकि शिकायत करने वाला यह एकस्ट्रा पैसा नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने तुरंत भुज ACB से कॉन्टैक्ट किया और शिकायत दर्ज कराई।

ACB ट्रैप और गिरफ्तारी

शिकायत के आधार पर,ACB टीम ने आदिपुर में वकील के ऑफिस में एक प्लान किया हुआ रिश्वत का ट्रैप लगाया। ट्रैप के दौरान, मुख्य आरोपी एडवोकेट अनिलभाई की तरफ से वहाँ मौजूद प्रजाजन जैनीबेन सोनी ने शिकायत करने वाले से 330 रुपये की रिश्वत ली। जैसे ही पैसे लिए गए, पहले से ही नज़र रखे हुए ACB टीम ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

कनाडा के नियाग्रा शहर में आनंद ज़िले के बोरसद की एक लड़की की दुखद हत्या ने पूरे गुजरात को हिलाकर रख दिया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। ज़िले के बोरसद की रहने वाली और सिर्फ 22 साल की विधि कल्याेशकुमार मेघा पिछले चार साल से कनाडा में पढ़ाई कर रही थी। पढ़ाई के साथ-साथ काम करके अपना भविष्य बनाने के लिए मेहनत करने वाली विधि अब हमेशा के लिए खामोश हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, 15 मई को घर से निकलने के बाद विधि पर जानलेवा हमला किया गया। पता चला है कि उसकी चाकू धोपकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलने पर लोकल पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। विधि अपने परिवार की शान थी और कनाडा में PR पाने के अपने सपनों को लेकर आगे बढ़ रही थी। लेकिन अचानक आई इस दुखद खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। बोरसद शहर समेत पूरे डायोसीज में शोक है।

झालोद में कुनी चौराहे के पास हिट एंड रन: बलेनो की टक्कर में तीन घायल, ड्राइवर फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। दाहोद जिले के लिमडी तालुका में कुनी गांव के चौराहे के पास एक गंभीर हिट एंड रन की घटना सामने आई है। यहां, पूरी स्पीड से आ रही एक काली बलेनो कार ने मोटरसाइकिल के पास खड़े तीन लोगों को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट करने के बाद कार ड्राइवर कार लेकर मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक, लिलवाा गांव के अनिलभाई डामोर अपने भतीजे प्रकाश और दो बेटों आशीष और जगदीश के साथ रौधकपुर गांव में रामगोपी मंदिर से दर्शन करके लौट रहे थे। वे कुछ देर कुनी चौराहे के पास खड़े रहे, इसी दौरान सर मारिया की तरफ से आ रही एक काली बलेनो कार ने मोटरसाइकिल के पास खड़े तीन युवकों को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट के बाद ड्राइवर कार लेकर डुंगरी रोड की तरफ भाग गया। पीछा करने के बावजूद, कार का अधूरा नंबर ही पता चल सका। घायलों की हालत: इस एक्सीडेंट में प्रकाश नाम के युवक के दोनों पैर फ्रैक्चर हो गए हैं, जगदीश के सिर में गंभीर चोटें आई हैं और आशीष के चेहरे और हाथों पर चोटें आई हैं। सभी घायलों को तुरंत 108 एम्बुलेंस से दाहोद सिविल हॉस्पिटल पहुंचाया गया है। अनिलभाई डामोर की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अनजान कार ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

राजकोट के पुरुषोत्तम पिपलिया की बागेश्वर धाम प्रोग्राम के खिलाफ बड़ी चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया कन्वीनर और स्पोक्सपर्सन डॉ. मनीष दोशी ने CBSE एजामा रिजल्ट में गंभीर गड़बड़ियों और देश के लाखों स्टूडेंट्स के भविष्य से हो रही छेड़छाड़ को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और इस पूरे स्कैम की जूडिशियल जांच की मांग की है।

ब्लैकलिस्टेड कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट क्यों?

डॉ. मनीष दोशी ने कहा कि CBSE बोर्ड रिजल्ट मैनेजमेंट की जिम्मेदारी COEMPT नाम की कंपनी को सौंपी गई थी। यही कंपनी इससे पहले 2019 में तेलंगाना में ‘ग्लोबरेना’ नाम से गंभीर विवादों में फंस चुकी है। कंपनी के इतने खराब रिकॉर्ड के बावजूद कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं कि किस पॉलिटिकल प्रेशर में देश के 18.5 लाख स्टूडेंट्स का भविष्य इस कंपनी को सौंपा गया। देश में 33,100 से ज्यादा और गुजरात में 329 से ज्यादा CBSE स्कूल हैं। क्लास 10 और 12 के 44.70 लाख स्टूडेंट्स आज मेटल स्ट्रेस में हैं।

ऑन स्क्रीन मार्किंग में बड़ी खामियां

आंसर शीट चेक करने वाले स्टूडेंट्स और टीचर्स का हवाला देते हुए, कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि: स्कैन की गई कॉपीयां धुंधली थीं और कुछ पेज गायब थे। सिस्टम ने लिखे हुए जवाब वाले पेज भी ‘ब्लैक’ दिखाए। टीचर्स को सिर्फ 7 दिन की ट्रेनिंग देकर आधे-अधूरे मन से कॉपीयां चेक की गईं।

विधायक का वरदहस्त, फर्जी वीजा माफियाओं से सांठगांठ और खाकी को कलंकित करता इंटरनेशनल खेल!

नडियाद का महाभ्रष्ट ‘सुभाष’ः शराब-सट्टे की वसूली से सीधा इंटरनेशनल सेटिंग, तोड़बाज सुभाष की काली कमाई का पर्दाफाश

सुभाष की करोड़ों की बेनामी संपत्ति का होगा भंडाफोड़!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नडियाद। चरोतर क्षेत्र के मासूम नागरिकों को विदेश भेजने के नाम पर खेले जा रहे अंतरराष्ट्रीय नकली वीजा घोटाले में ‘महानगर मेट्रो’ एक ऐसा सनसनीखेज पर्दाफाश करने जा रहा है, जिससे कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ गई हैं। देशद्रोह के समान इस बेहद गंभीर अपराध के आकाओं को सलाखों के पीछे भेजने के बजाय, खाकी वर्दी की आड़ में छिपे एक शांतिर पुलिस बिचौलिए (वहीवटदार) ने करोड़ों की रिश्वत लेकर पूरे माफिया पर लीपापोती कर दी और खाकी की अस्मत सरेआम बेच डाली! शराब, जुआ और सट्टा के देसी धंधों से अवैध वसूली कर अपनी जेबें गरम करने वाला नडियाद टाउन पुलिस का कुख्यात बिचौलिया सुभाष अब अंतरराष्ट्रीय स्तर के ठगों का मसीहा बन गया है। स्थानीय सत्ताधारी दल के विधायक के सीधे संरक्षण और राजनीतिक आकाओं के आशीर्वाद के दम पर उछल रहे इस महाभ्रष्ट तोड़बाज ने देश की सुरक्षा को दांव पर लगाकर फर्जी वीजा घोटालेबाजों से मोटी रकम वसूली है, जिसकी विस्फोटक जानकारियां हाथ लगी हैं। लाखों की काली कमाई और मुख्य आरोपी फरार पिछले तीन दशकों से जापान में बसे इस घोटाले के मुख्य मास्टरमाइंड के एक दलाल ने नडियाद आकर सीधे तोड़बाज सुभाष से संपर्क साधा। भ्रष्टाचार के नशे में चूर सुभाष को इतनी बड़ी आर्थिक रिश्वत की पेशकश की गई कि वह सारे कायदे-कानून भूलकर देशद्रोहियों के तलवे चाटने लगा। नतीजा यह हुआ कि देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी खतरा पैदा करने



टाउन पुलिस स्टेशन की नाक के नीचे इंटरनेशनल रैकेट

सूत्रों से मिली बेहद चौंकाने वाली जानकारी के मुताबिक, नडियाद टाउन पुलिस स्टेशन के बिल्कुल करीब अपनी बकायदा ऑफिस खोलकर बैठे एक शांतिर जालसाज ने 4 बेकसूर नागरिकों को जापान के

वाले मुख्य आरोपी पुलिस के चंगुल से आसानी से भाग निकले और सुभाष लाखों की काली कमाई डकार कर अपने घर बैठ गया।

PI अंधेरे में, तोड़बाज का ‘मास्टरस्टोक’

जब यह पूरा काला खेल खेला जा रहा था, तब टाउन पुलिस स्टेशन के तत्कालीन पुलिस इंस्पेक्टर संजय बलदेवभाई देसाई ड्यूटी पर तैनात थे। लेकिन भ्रष्ट सुभाष ने इतनी शांतिरता और पेशेवर अपराधी जैसी मानसिकता के साथ इस पूरे तोड़ को अंजाम दिया कि स्वयं PI संजय देसाई भी इस गंभीर वसूली कांड से पूरी तरह

फर्जी वीजा धमाका लाखों रुपये ऐंट लिए थे। जब यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का रैकेट उजागर हुआ, तब किसी ईमानदार पुलिस अधिकारी को इस पर सख्त कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन इस बीच काली कमाई का भूखा पुलिस का दलाल सुभाष कुद पड़ा। उसने कानून के रक्षक की जगह भक्षक की भूमिका निभाई और देशद्रोह के इस मामले को अपनी मोटी कमाई का जरिया बना लिया!

IB, CID और ACB की रेड हो तो बाहर आएगा अकूत खजाना!

यह कोई मामूली स्थानीय अपराध नहीं है, बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि और सुरक्षा के साथ सीधा खिलवाड़ है। कड़े एक्शन की मांग:

नांदोद के वरखाड़ गांव में मिला पदार्थ ड्रग्स नहीं बल्कि फैक्ट्री के आम केमिकल थे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नर्मदा। जिले के नांदोद तालुका के वरखाड़ गांव में मुंबई पुलिस और नर्मदा पुलिस ने एक जॉइंट सर्च ऑपरेशन चलाया। मुंबई में दर्ज एक क्राइम की जांच नर्मदा जिले तक बढ़ने पर, मुंबई और नर्मदा पुलिस की अलग-अलग टीमों ने वरखाड़ गांव के एक घर पर रेड मारी। इस रेड के दौरान, घर में कई तरह के केमिकल मिले, और शुरू में शक था कि यह कोई नशीला पदार्थ है, लेकिन FSL और ATS की जांच के बाद पता चला कि वहां कोई आपत्तिजनक या नशीला पदार्थ नहीं था। पुलिस से मिले सूत्रों और ऑफिशियल जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र के मुंबई के साकीनाका पुलिस स्टेशन में NDPS एक्ट के तहत एक क्राइम रजिस्टर किया गया था। इस क्राइम के सिलसिले में मुंबई पुलिस ने मुस्कान नाम की एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ में वजुल कमर अबुल वफ़ा उर्फ़ पप्पू चौधरी का नाम को-आरोपी के तौर पर सामने आया। जब मुंबई पुलिस ने इस आरोपी को हिरासत में लेकर उससे कड़ी पूछताछ की, तो उसने कबूल किया कि वह नर्मदा जिले के नांदोद के वरखड गांव में सुधीर मनुभाई पटेल के घर में रह रहा था। जैसे ही यह



अहम लिंक मिला, मुंबई पुलिस की टीम तुरंत जांच के लिए नर्मदा पहुंच गई। मुंबई पुलिस की एक टीम अमलेठा पुलिस स्टेशन पहुंची और लोकल पुलिस के साथ-साथ नर्मदा LCB और SOG टीमों के साथ वरखड गांव में सुधीर पटेल के घर पर जॉइंट रेड की। पुलिस ने इस बंद घर में 15 घंटे से ज्यादा समय तक डिटेल में जांच और सर्च ऑपरेशन चलाया। इस घर की तलाशी के दौरान अंदर कई तरह के संदिग्ध केमिकल और केमिकल की मात्रा मिली। शुरू में चर्चाओं ने जोर पकड़ा कि यह करोड़ों रुपये का नशीला पदार्थ है, जिसकी वजह से पूरे जिले में भारी भीड़ लग गई। हालांकि, इस सारे विवाद और शक के बीच, FSL और ATS की स्पेशल टीमें देर रात मौके पर

पहुंचीं और मॉडर्न मशीनों से सभी केमिकल्स की साईंटिफिक जांच की। इस जांच के आखिर में लैब रिपोर्ट में एक बड़ा खुलासा हुआ कि इस केमिकल में कोई नशीला या नारकोटिक एलिमेंट नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, घर से जब्त की गई क्वांटिटी में लगभग 21' इथाइल प्रिपरेशन, 20' यूरिया नाइट्रेट, 21' पामितिक एसिड, 18' पेंट स्ट्रिपर और 19' नाइट्रो ग्लिसरीन था। ये सभी केमिकल्स आम तौर पर फैक्ट्रियों, इंडस्ट्रीज या पेंटिंग में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स हैं। यह खुलासा होते ही पुलिस और लोकल लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, ये केमिकल्स वहां क्यों रखे गए थे? उस दिशा में आगे की जांच की गई है।

अहमदाबाद: AI का इस्तेमाल करके लड़की की न्यूड फोटो बनाने वाला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। साइबर क्राइम ने 1 मई से साइबर सुरक्षा कैपेन शुरू किया है। जिसमें महिलाओं की फेक ID, मॉर्फ़ड फोटो समेत अलग-अलग शिकायतें दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। उस समय साइबर क्राइम ने एक ऐसे युवक को गिरफ्तार किया है जिसने अहमदाबाद की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लड़की के नाम से आठ से दस अकाउंट बनाकर AI का इस्तेमाल करके लड़की की न्यूड फोटो पोस्ट की थीं। आरोपी ने न सिर्फ लड़की बल्कि उसकी मां और मौसी की भी मॉर्फ़ड फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दी थीं।

AI से न्यूड फोटो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कीं

अहमदाबाद में रहने वाली एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लड़की ने साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई थी कि दिवंबर से अप्रैल के बीच किसी अनजान व्यक्ति ने इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर उसके नाम से फेक AI बनाकर उसका इस्तेमाल करके लड़की की फोटो इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दी थीं। लड़की की फोटो भी



AI का इस्तेमाल करके न्यूड फोटो के तौर पर अपलोड की गई थीं। लड़की को लगातार परेशान किया जा रहा था और बदनाम किया जा रहा था। जिसके चलते साइबर क्राइम ने लड़की के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धार्मिक उपदेश के नाम पर दोस्ती, दिल्ली से एक युवक गिरफ्तार पुलिस ने जांच के दौरान दिल्ली में रहने वाले सुमित नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में पता चला कि आरोपी सोशल मीडिया पर धार्मिक उपदेश देता है। आरोपी ने धर्म की बातें करके लड़की से दोस्ती की थी। जिसके बाद आरोपी ने लड़की के करीब आने की कोशिश की। जिसके चलते लड़की ने आरोपी से रिश्ता तोड़ दिया।

शुक्रवार, 29 मई 2026

2

इंटेलिजेंस ब्यूरो और CID क्राइम जैसी देश की शीर्ष एजेंसियां इस मामले को तुरंत अपने हाथों में लें।

पुलिसिया पूछताछ: स्थानीय विधायक के नाम का रौब झाड़ने वाले भ्रष्ट सुभाष को तत्काल हिरासत में लेकर 'पुलिसिया स्टाइल' में कड़ी पूछताछ की जाए।

संपत्ति की जांच: राज्य के सतर्कता आयोग और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को इस बिचौलिए की बेनामी संपत्तियों पर तुरंत धावा बोलना चाहिए। अगर इसकी बारीकी से जांच हुई, तो आंखें फटी रह जाएंगी—करोड़ों रुपये की ओषधित और अवैध संपत्तियों का अंबार बाहर आना तय है।

सबसे बड़ा सवाल: किसके संरक्षण में हैं ये देशद्रोही?

सूत्र तो यहां तक दावा कर रहे हैं कि नकली वीजा बनाने वाले ये माफिया खुलेआम डींगें हांक रहे हैं कि विधायक और सुभाष जैसे भ्रष्ट पुलिसवाले तो हमारी जेबों में घूमते हैं! अगर इस महाठग सुभाष की कड़ाई से जांच की गई, तो चरोतर में सालों से चल रहे करोड़ों रुपये के फर्जी वीजा रैकेट की जड़ तक पहुंचा जा सकेगा और मासूमों की जिंदगी बर्बाद करने वाले आका जेल की सलाखों के पीछे होंगे। अब देखना यह है कि राज्य के उच्च पुलिस अधिकारी इस भ्रष्ट तंत्र के पाप के घड़े को फोड़ते हैं या फिर राजनीतिक दबाव में यह अंतरराष्ट्रीय घोटाला हमेशा के लिए फाइलों में दफन हो जाता है!

डिजिटल इंडिया की ओर कदम: दाहोद डिस्ट्रिक्ट पांचाल समाज की ऑफिशियल वेबसाइट का ग्रैंड लॉन्च

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। दाहोद जिले के लिमडी तालुका के पिपलिया गांव में पुराने जमीन के झगड़े को लेकर दो पक्षों में तीखी बहस के बाद पत्थरबाजी की घटना सामने आई है। इस पत्थरबाजी में चार लोग घायल हो गए, जिससे हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक, पिपलिया गांव के कमलेशभाई बच्चाभाई डामोर के परिवार की मिली-जुली जमीन को लेकर रमेशभाई कटारा समेत गांव के लोगों से झगड़ा हुआ था। 27 मई की सुबह कमलेशभाई का भतीजा अर्जुनभाई खेत के किनारे गुलमोहर का पेड़ काट रहा था। इसी बीच रमेशभाई कटारा, रोहितभाई, रितेशभाई और अरविदाबेन वहां पहुंचे और पेड़ काटने को लेकर झगड़ा शुरू कर दिया। बहस बढ़ने पर विरोधी पक्ष ने पत्थरबाजी की, जिससे अर्जुनभाई, कमलेशभाई, अलकेशभाई और मनहरभाई घायल हो गए। इसके बाद दो और लोग आए और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। घटना की सूचना मिलते ही 112 पुलिस और 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गईं। घायलों को तुरंत इलाज के लिए लिमडी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। लिमडी पुलिस ने पूरे मामले में केस दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी जांच कर रही है।

दहेज में योकोहामा कंपनी में मजदूरों का विरोध: यूनियन को दबाने के लिए धमकाने और धमकाने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। दहेज में मौजूद योकोहामा झत टायर लिमिटेड कंपनी एक बार फिर विवादों में आ गई है। कंपनी के मजदूरों ने मैनेजमेंट पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भारतीय मजदूर संघ द्वारा चलाए जा रहे भारतीय कर्मकार संघ से जुड़े मजदूरों ने मीडिया के सामने आकर कहा है कि कंपनी में यूनियन से जुड़े कर्मचारियों को तारोेट किया जा रहा है और उन पर मानसिक दबाव डाला जा रहा है। मजदूर जयेश सोपानदेव पाटिल ने मीडिया को बताया कि 23 मई को शिफ्ट खत्म होने के बाद मांडवा जा रही मजदूरों की बस को सड़क पर रोक दिया गया। कंपनी के कर्मचारी प्रिंस संजय बोरिंद्र राय और उसके साथियों ने बस में हंगामा किया। इस दौरान आरोप है कि बस में बैठे मजदूरों को गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। यह भी पता चला है कि इस मामले में झगड़िया पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। मजदूरों के आरोपों के मुताबिक, कंपनी मैनेजमेंट ने प्रिंस राय को नौकरी पर रखा है, जबकि उन पर पहले आर्मैड एक्ट समेत कई अपराधों के लिए केस दर्ज हो चुका है। इससे दूसरे कर्मचारियों में डर का माहौल है। मजदूरों ने यह भी आरोप लगाया है कि कंपनी मैनेजमेंट ऐसे लोगों का इस्तेमाल करके यूनियन की गतिविधियों को दबाने की कोशिश कर रहा है। यह भी कहा गया है कि यूनियन से जुड़े कुछ कर्मचारियों को बिना किसी वजह के शो-कांज नोटिस देकर दबाव बनाया जा रहा है। मजदूर संघ के नेता सुरेंद्रसिंह राज ने कहा कि कंपनी और पुलिस सिस्टम को मजदूरों की सुरक्षा के लिए तुरंत सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर जिला पुलिस चीफ और कलेक्टर को लिखकर बताया गया है। अगर सही कार्रवाई नहीं हुई तो गांधी चिन्था की तरह आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी गई है। दिव्य भास्कर ने इस मामले में योकोहामा झत टायर कंपनी के ॥रुहेद जयदीप कोटनिश ने फ़ोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फ़ोन रिसीव नहीं हुआ।

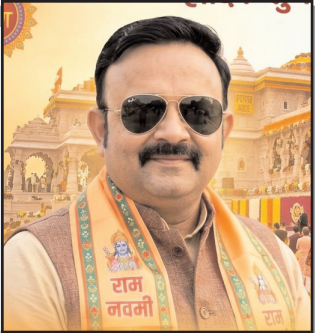
अंकलेश्वर में लव अफेयर में रिक्शा ड्राइवर की हत्या गर्लफ्रेंड और उसका नया लवर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर. शहर में लव अफेयर से जुड़ा एक चौंकाने वाला मर्डर केस सामने आया है। जूना बोरभाटा गांव के पास एक खेत में एक रिक्शा ड्राइवर की गला तैतकर हत्या की लाश मिली। पुलिस ने कुछ ही घंटों में मर्डर का मामला सुलझा लिया और मरने वाले की गर्लफ्रेंड और उसके मौजूदा लवर को गिरफ्तार कर लिया। असल में राजकोट के रहने वाले और अभी अंकलेश्वर के नवा बोरभाटा गांव में रहने वाले कांतिलाल उर्फ ??मुकेश मोभेरा रिक्शा चलाकर गुजारा करते थे। उनकी पत्नी भारतीबेन ज्योति टांकीज के लिए फूल और केले की लॉरी चलाती है। काल सुबह कांतिलाल अपनी पत्नी और बच्चों को लॉरी पर छोड़कर रोज की तरह रिक्शा लेकर चले गए। दोपहर 12 बजे के बाद उनका मोबाइल फोन बंद हो गया। परिवार ने उन्हें ढूंढना शुरू किया। कांतिलाल की लाश शान को पुराने बोरभाटा रोड के पास बुलेट ट्रेन ब्रिज के पास एक खेत से मिली।



क्या आम आदमी विकास से बाहर छूट रहा है?



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा और चिकित्सा को पुनः सेवा और राष्ट्र निर्माण के मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। यदि ये दोनों क्षेत्र केवल व्यापार बन गए तो सामाजिक असमानता और बढ़ेगी, प्रतिभाएं टूटेंगी और आम आदमी विकास की मुख्यधारा से बाहर होता जाएगा। भारत के भविष्य की दिशा इस बात से तय होगी कि शिक्षा और चिकित्सा कितनी सुलभ, समान और मानवीय बनती हैं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नए भारत के निर्माण के जिन आधार स्तंभों की कल्पना की गई थी, उनमें शिक्षा और चिकित्सा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी। यह माना गया था कि यदि देश के नागरिक शिक्षित, स्वस्थ और जागरूक होंगे तो लोकतंत्र मजबूत होगा, सामाजिक असमानताएं कम होंगी और राष्ट्र विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा। शिक्षा को व्यक्ति निर्माण और चिकित्सा को जीवन रक्षा का माध्यम माना गया था। लेकिन स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद स्थिति चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है कि क्या ये दोनों क्षेत्र अपने मूल उद्देश्य से भटककर व्यवसाय और बाजार के अधीन नहीं हो गए हैं? आज शिक्षा और चिकित्सा दोनों क्षेत्रों में जो विसंगतियां दिखाई देती हैं, वे केवल व्यवस्थागत संकट नहीं बल्कि सामाजिक संकट का रूप ले चुकी हैं। एक ओर शिक्षा व्यवस्था परीक्षा, अंकों और प्रतिस्पर्धा की आर्थिक मशीन बन गई है, वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवा लाभ-हानि के गणित में उलझती दिखाई देती है। इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती व्यावसायिकता ने आम आदमी को सबसे अधिक प्रभावित किया है। शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं था। शिक्षा अब डिग्री, नौकरी और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होती दिखाई देती है। शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं का सबसे भयावह चेहरा कोटा, सीकर और अन्य कोचिंग एवं शिक्षा केंद्रों में बढ़ती छात्र आत्महत्याओं के रूप में सामने आया है। कोटा, जो कभी देश की शैक्षणिक आकांक्षाओं का केंद्र माना जाता था, अब विद्यार्थियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलेपन और असफलता के भय के कारण आत्महत्या की घटनाओं से लगातार चर्चा में रहा है। कोटा, सीकर तथा अन्य कोचिंग नगरों में पिछले वर्षों में अनेक विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था की संवेदनहीनता को उजागर किया है। राजस्थान के सीकर में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की आत्महत्या की घटना इसी विडंबना का उदाहरण है। परीक्षा रद्द होने से उत्पन्न अनिश्चितता और मानसिक तनाव ने एक संभावनाशील जीवन समाप्त कर दिया। यह घटना अकेली नहीं है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2024 में 14,488 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की। औसतन हर 36 मिनट में एक विद्यार्थी जीवन समाप्त कर रहा है। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था की सामूहिक विफलता है। दूसरी ओर नीट, नेट, प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं तथा अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणामों में विवाद और अनिश्चितता की स्थितियों ने विद्यार्थियों में गहरा असंतोष और अविश्वास पैदा किया है। वर्षों की तैयारी करने वाले छात्र जब परीक्षा प्रणाली को ही अविश्वसनीय पाते हैं तो उनमें निराशा और मानसिक तनाव



बढ़ना स्वाभाविक है। आज परीक्षा प्रणाली अविश्वसनीय होती जा रही है। प्रश्नपत्र लीक होना, परीक्षाओं का रद्द होना, मूल्यांकन विवाद, शोध कार्यों में साहित्यिक चोरी, पीएचडी प्रक्रियाओं का औपचारिक बन जाना और कोचिंग संस्कृति का बढ़ना शिक्षा के बाजारीकरण की तस्वीर प्रस्तुत करता है। शिक्षा अब ज्ञान से अधिक निवेश और प्रतिफल का विषय बनती जा रही है। धीरे-धीरे शिक्षा सेवा से व्यवसाय में बदलती गई। बड़े निजी विद्यालय, कोचिंग संस्थान और विश्वविद्यालय आज करोड़ों के उद्योग बन चुके हैं। डॉक्टर और इंजीनियर बनाने के सपनों का ऐसा व्यापार खड़ा हुआ जिसमें अभिभावक आर्थिक रूप से टूटने लगे। आज एक सामान्य परिवार अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जीवन भर की बचत खर्च करने को विवश है। विद्यालयों की ऊंची फीस, निजी कोचिंग, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और उच्च शिक्षा की महंगी व्यवस्था ने शिक्षा को आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया है। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। चिकित्सा को कभी सेवा का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन आज निजी चिकित्सालयों की बढ़ती संख्या और नकली व्यावसायिक प्रवृत्ति ने आम नागरिक को संकट में डाल दिया है। इलाज इतना महंगा हो गया है कि अनेक परिवार बीमारी के कारण आर्थिक रूप से टूट जाते हैं। निजी अस्पतालों में उपचार, जांच, आईस्यू, दवाओं का खर्च और नकली दवाओं में जीवन समाप्त होने की घटनाएं लगातार बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक परीक्षण, अत्यधिक शुल्क और व्यावसायिक दृष्टिकोण की शिकायतें सामने आती रहती हैं।

चिकित्सा सेवा का उद्देश्य रोगी को राहत देना था, लेकिन कई स्थानों पर वह लाभ कमाने की प्रणाली में बदलती दिखाई देती है। जगह-जगह खुले निजी अस्पताल और शिक्षण संस्थान एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा में उतर आए हैं। लेकिन यह प्रतिस्पर्धा गुणवत्ता की अपेक्षा लाभ कमाने की अधिक दिखाई देती है। परिणाम यह हुआ कि शिक्षा और चिकित्सा दोनों ही सामान्य नागरिक की आर्थिक क्षमता से बाहर जाने लगी हैं। इन परिस्थितियों का एक सामाजिक दुष्परिणाम भी सामने आया है। आर्थिक दबाव, भविष्य की अनिश्चितता, शिक्षा का तनाव, महंगी चिकित्सा और रोजगार संकट के कारण अवसाद, मानसिक तनाव और आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। युवा पीढ़ी उपलब्धियों के दबाव में टूट रही है, जबकि परिवार आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय को अधिक सशक्त, उत्तरदायी और कठोर भूमिका निभाते हुए परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी, तकनीक आधारित और सुरक्षित बनाना होगा। इसी प्रकार चिकित्सा क्षेत्र में देशभर में स्थापित हुए नए एम्स संस्थानों एवं उच्च चिकित्सा केंद्रों का लाभ वास्तव में आम नागरिक तक सरल, सस्ती और सुलभ व्यवस्था के रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता केवल बड़े अस्पताल बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सर्वसुविधायुक, विशेषज्ञ सेवाओं से युक्त तथा दूरदराज और पिछड़े क्षेत्रों तक विस्तारित करने की है, ताकि महानगरों पर निर्भरता कम हो और ग्रामीण तथा वंचित वर्ग भी उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहजता से प्राप्त कर सके। नई शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, कौशल

गुजरात में इबोला की आशंका से बढ़ी सतर्कता

बिगड़ने लगी। लगातार बुखार और वायरल हेमरेजिक फीवर जैसे लक्षण सामने आने पर डॉक्टरों ने उसे संदिग्ध इबोला मरीज मानते हुए विशेष निगरानी में रखा। मरीज की जांच रिपोर्ट में लीवर एंजाइम्स एसजीपीटी और एसजीओटी का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया। इसके अलावा प्लेटलेट्स भी सामान्य से कम दर्ज किए गए, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई। इबोला वायरस दुनिया के सबसे खतरनाक संक्रमणों में गिना जाता है। यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शरीर के तरल पदार्थों के संपर्क से फैलता है और तेजी से गंभीर स्थिति पैदा कर सकता है। अफ्रीकी देशों में समय-समय पर इसके प्रकोप की खबरें आती रही हैं। यही कारण है कि कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे देशों से आने वाले यात्रियों की विशेष जांच की जा रही है। गुजरात सरकार ने अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विशेष स्क्रीनिंग की व्यवस्था की की है ताकि किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति को समय रहते पहचान की जा सके। अहमदाबाद सिविल अस्पताल में मरीज को आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। डॉक्टरों की एक विशेष टीम उसकी निगरानी कर रही है। अस्पताल प्रशासन ने संक्रमण से बचाव के लिए विशेष प्रोटोकॉल लागू किए हैं। स्वास्थ्य कर्मियों को पीपीई किट और अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं ताकि संक्रमण फैलने का खतरा कम किया जा सके। मरीज की अंतिम जांच रिपोर्ट आने तक उसे पूरी तरह अलग निगरानी में रखा जाएगा।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि सरकार पूरी तरह सतर्क है और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों की पहचान की जा रही है। संपर्क में आए लोगों में कुछ को बुखार की शिकायत भी मिली है, इसलिए उनकी मेडिकल जांच और निगरानी शुरू कर दी गई है। एक चिकित्सक और कुछ विदेशी नागरिकों के संपर्क में आने की जानकारी भी सामने आई है। इन सभी लोगों को स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में रखा गया है। अहमदाबाद मनापा संचालित एसपीवी अस्पताल में भी तीन संदिग्ध मरीजों को क्वारंटीन किया गया है। अस्पताल प्रशासन ने विशेष वार्ड तैयार कर रखा है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत इलाज शुरू किया जा सके। डॉक्टरों का कहना है कि अभी घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधानी और सतर्कता बेहद जरूरी है। संक्रमण की पुष्टि होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। इबोला जैसी बीमारियां केवल स्वास्थ्य संकट ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी बन जाती हैं। कोविड महामारी के बाद लोगों में संक्रामक रोगों को लेकर संवेदनशीलता बढ़ी है। ऐसे में किसी भी संदिग्ध मामले की खबर तेजी से चिंता का कारण बन जाती है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते जांच और निगरानी से संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विभाग ने एयरपोर्ट स्क्रीनिंग, अस्पताल निगरानी और संपर्क ट्रेसिंग जैसे कदम तेजी से शुरू किए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार इबोला संक्रमण के शुरूआती लक्षणों में तेज बुखार, कमजोरी, शरीर में दर्द, उल्टी और रक्तस्राव जैसी समस्याएं शामिल हो सकती हैं। यदि समय पर इलाज और आइसोलेशन न किया जाए तो यह वायरस गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए विदेश यात्रा से लौटने वाले लोगों को किसी भी असामान्य लक्षण की स्थिति में तुरंत जांच करानी चाहिए और स्वास्थ्य विभाग को जानकारी देनी चाहिए।

गुजरात सरकार की सक्रियता इस मामले में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग लगातार अस्पतालों को दिशा निर्देश जारी कर रहा है। डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि किसी भी संभावित संक्रमण से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। एयरपोर्ट और अस्पतालों में निगरानी बढ़ा दी गई है तथा मेडिकल टीमें को अलर्ट रखा गया है। यह घटना एक बार फिर यह याद दिलाती है कि वैश्विक स्तर पर फैलने वाली बीमारियों का खतरा आज भी बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय यात्रा और बढ़ती आवाजाही के कारण किसी भी देश में संक्रमण पहुंचने की संभावना बनी रहती है। ऐसे समय में मजबूत स्वास्थ्य व्यवस्था और त्वरित कार्रवाई ही सबसे बड़ा बचाव साबित होती है। फिलहाल पूरे राज्य की नजर मरीज की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हुई है। स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अप्रवाहों से बचने की अपील कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सतर्कता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर किसी भी संभावित खतरे से प्रभावी तरीके से निपटा जा सकता है।

दुनिया का सबसे बड़ा कारनामा माना जाता है एवरेस्ट पर चढ़ाई



विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ना आज भी मानव साहस, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी परीक्षा माना जाता है। समुद्र तल से 8,848.86 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह शिखर केवल बर्फ और पत्थरों का पहाड़ नहीं बल्कि रोमांच, जोखिम और मौत से सीधी मुठभेड़ का प्रतीक बन चुका है। दुनियाभर के हजारों पर्वतारोही हर वर्ष इसे फतह करने का सपना लेकर हिमालय की ओर बढ़ते हैं लेकिन उनमें से केवल चुनिंदा लोग ही सफलता प्राप्त कर पाते हैं। कई पर्वतारोही इस दुर्गम यात्रा के दौरान बफीली हवाओं, ऑक्सीजन की कमी, हिमस्खलन और खतरनाक दर्रा का सामना करते हुए अपनी जान गंवा बैठते हैं। इतिहास गवाह है कि एवरेस्ट की चढ़ाई हमेशा से जोखिमों से भरी

रही है। आंकड़ों के अनुसार, एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाले प्रत्येक 100 पर्वतारोहियों में लगभग 4 लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2014 और 2015 एवरेस्ट के इतिहास के सबसे दर्दनाक वर्षों में गिने जाते हैं, जब हिमस्खलन और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण तीन दर्जन से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई थी। एवरेस्ट की बफीली ढलानों पर आज भी अनेक पर्वतारोहियों के शव मौजूद हैं, जिन्हें नीचे लाना लगभग असंभव माना जाता है। मई महीने का एवरेस्ट के संदर्भ में विशेष महत्व है क्योंकि इसी दौरान मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल होता है और अधिकांश सफल अभियान इसी महीने में पूरे किए जाते हैं। यही कारण है कि एवरेस्ट से जुड़े कई विश्व रिकॉर्ड भी मई में ही बने हैं।

संपादकीय

मूल्यांकन पर आंच

अभी नीट प्रवेश परीक्षा में प्रश्न पत्रों के लीक होने और परीक्षा रद्द होने की सुर्खियों की स्याही सूखी भी न थी कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली सवालों के घेरे में आ गई। निश्चय ही ये घटनाक्रम छात्रों और प्रतियोगियों के परीक्षा व्यवस्था पर भरोसे को कम ही कर रहे हैं। आपदा में अवसर की तलाश में रहने वाले राजनीतिक दलों को छोड़ भी दें, तो भी आम लोग भी सीबीएसई की मूल्यांकन पद्धति पर सवाल उठा रहे हैं। दरअसल, सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग यानी ओएसएम प्रणाली में खामियों और विसंगतियों को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। कक्षा बारह के कुछ छात्रों ने पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के तहत अपलोड की गई स्कैन प्रतियों और उनकी उत्तर पुस्तिकाओं में विसंगति सामने आने का खुलासा किया है। निश्चित रूप से यह प्रकरण महज एक तकनीकी समस्या से कहीं अधिक का मामला है। यह भारत की उस शीर्ष परीक्षा प्रणाली की बढ़ती विफलता की चेतावनी है, जो लाखों छात्रों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस घटनाक्रम में एक छात्र वेदांत श्रीवास्तव का मामला विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि सीबीएसई ने स्वयं स्वीकार किया है कि गलत उत्तर पुस्तिका भेजी गई थी। हालांकि, मामला तूल पकड़ता देख उसे बाद में सही उत्तर पुस्तिका भेज दी गई। इसी तरह एक अन्य परीक्षार्थी, संजना को भी सीबीएसई की तरफ से कमोवेश ऐसी ही प्रतिक्रिया मिली है। भला हो सोशल मीडिया का जो इन मुद्दों को देश की जनता के सामने धुलते ले आता है और देश में इससे एक जनमत बनाने का अवसर मिलता है। हालांकि, यह स्वागत योग्य है कि सीबीएसई ने इन प्रणालीगत त्रुटियों को स्वीकार तो किया। लेकिन जरूरत इस बात की है कि इस लापरवाही के लिये जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अन्यथा लापरवाही व गलती का यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। सीबीएसई को अपनी साख बचाये रखने के लिये इस दिशा में समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। यहां सवाल उठता है कि सीबीएसई जैसी परीक्षा नियामक संस्था ने अपने स्तर पर खामियों को दूर करने के लिये कारगर तंत्र क्यों विकसित नहीं किया। वह तब ही जागती है जब मीडिया में घटना सुर्खियां बनती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि सीबीएसई ने तब कार्रवाई की और सुधारात्मक कदम उठाये, जब प्रभावित छात्रों ने इसके खिलाफ सोशल मीडिया पर अभियान चलाया।

चिंतन-मनन

वैज्ञानिक बनने की वाह

किसी समय लंदन की एक बस्ती में एक अनाथ बालक रहता था। वह अखबार बेचकर किसी तरह अपना गुजारा करता था। कुछ समय बाद उसे एक जिल्दसूज की दुकान पर जिल्द चढ़ाने का काम मिल गया। उस बालक को पढ़ने का बहुत शौक था। वह पुस्तकों पर जिल्द चढ़ाते समय महत्वपूर्ण बातें व जानकारीयां पढ़ता रहता था। एक दिन जिल्द चढ़ाते समय उसकी नजर एक विद्युत संबंधी लेख पर पड़ी। वह लेख उसे बहुत ही मनोरंजक लगा। उसने दुकान के मालिक से एक दिन के लिए वह पुस्तक मांग ली और रात भर में उस लेख के साथ ही पूरी पुस्तक भी पढ़ डाली। पुस्तक का उसके ऊपर गहरा असर पड़ा। इससे उसकी प्रयोग करने में जिज्ञासा बढ़ती गई और धीरे-धीरे वह अध्ययन एवं परीक्षण के लिए विद्युत संबंधी छोटी-मोटी चीजें इस-उधर से जुटाने लगा। बालक की इस बारे में रुचि देखकर एक श्राक उससे बहुत प्रभावित हुआ। वह खुद भी विज्ञान में गहरी दिलचस्पी रखता था। एक दिन वह बालक को अपने साथ भौतिकशास्त्र के प्रसिद्ध विद्वान डेवी का भाषण सुनाने ले गया। बालक ने डेवी की बातें ध्यान से सुनीं और उन्हें नोट भी किया। इसके बाद बालक को अनेक भाषण की समीक्षा करते हुए अपने कुछ परामर्श लिखकर डेवी के पास भेज दिए। डेवी को बालक की सलाह बहुत पसंद आई। उन्होंने उसे अपने यंत्र व्यवस्थित करने के लिए अपने पास रख लिया। बालक उनके साथ रहने लगा। वह उनके सहयोगी और नौकर दोनों की भूमिका निभाता रहा। वह दिन भर कामों में व्यस्त रहता, रात को अध्ययन करता। थकान होने पर भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी। वह भौतिकी के क्षेत्र में खासकर विद्युत के क्षेत्र में बहुत कुछ करना चाहता था। आखिरकार अपनी मेहनत और संकल्प से उसने अपना सपना पूरा किया। वह एक महान वैज्ञानिक बन गया। आज दुनिया उस बालक को माइकल फैराडे के नाम से जानती है।



कातिलाल मांडेठ

कांगो से आए युवक में संक्रमण की आशंका से स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट...

गुजरात में इबोला वायरस की आशंका ने स्वास्थ्य विभाग और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अफ्रीकी देश कांगो से लौटे एक 37 वर्षीय युवक में इबोला जैसे लक्षण पाए जाने के बाद पूरे राज्य का स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट मोड पर आ गया है। युवक को पहले वडोदरा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत और लक्षणों को देखते हुए बाद में अहमदाबाद सिविल अस्पताल में विशेष निगरानी के तहत भर्ती किया गया। इस घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग ने संपर्क ट्रेसिंग और निगरानी की प्रक्रिया तेज कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मरीज करीब दस दिन पहले कांगो से मुंबई पहुंचा था। मुंबई में कुछ दिन रुकने के बाद वह सिलवासा और दुमण क्षेत्र गया तथा बाद में 22 मई को वडोदरा पहुंचा। 26 मई को उसकी तबीयत



योगेश कुमार गोयल

एवरेस्ट दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है, जिसकी ऊंचाई 8848 मीटर है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे पर्वत शिखर को आज से 73 वर्ष पूर्व 29 मई 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिग नोर्गे ने फतह किया था। उनकी जीत के उपलक्ष्य में ही उनकी याद में प्रतिवर्ष 29 मई को अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस मनाया जाता है, जिसे ह्यअंतर्राष्ट्रीय सामरमाथा दिवसहह के रूप में भी जाना जाता है। पहली बार माउंट एवरेस्ट दिवस सर एडमंड हिलेरी की मृत्यु के बाद 2008 में मनाया गया था, तभी से यह दिवस भारत, नेपाल और न्यूजीलैंड में 29 मई को मनाया जाता रहा है। एवरेस्ट की चोटी नेपाल और चीन (तिब्बत) की सीमा पर स्थित है और यह दिवस मनाने का एक प्रमुख उद्देश्य नेपाल पर्वटन को बढ़ावा देना भी है। वैसे इसी मायनों में यह दिवस पर्वतारोहियों को सम्मानित करने के लिए नेपाल द्वारा मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह दिवस पर्वतारोहियों को एवरेस्ट की चोटी फतह करने के लिए प्रेरित करता है। अंतर्राष्ट्रीय माउंट एवरेस्ट दिवस केवल एडमंड हिलेरी और तेनजिग शेर्पा की विजय का जश्न मनाने का ही दिन नहीं है बल्कि यह पहाड़ पर चढ़ने के खतरों को बताने और उन लोगों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जिन्होंने इस सफर के दौरान अपने प्राण गंवा दिए। तमाम खतरों के बावजूद माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई का यह सिलसिला आज भी जारी है।

यूपी में गर्मी को लेकर अलर्ट मोड में सरकार... CM योगी बोले- अस्पताल, बुनियादी ढांचा, बुनियादी ढांचा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उत्तर प्रदेश। बढ़ती गर्मी और हीटवेव को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं. सीएम ने कहा है कि अस्पतालों, पेयजल और बिजली व्यवस्था पर विशेष नजर रखी जाए. साथ ही बच्चों, बुजुर्गों और मजदूरों को लू से बचाने के लिए जरूरी इंतजाम किए जाएं.

उत्तर प्रदेश में गर्मी अब लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही है. कई जिलों में तापमान लगातार ऊपर जा रहा है, दोपहर में सड़कें खाली दिख रही हैं और लोग लू से बचने के तरीके खोज रहे हैं. इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को साफ मैसेज दिया है- हीटवेव को हल्के में मत लीजिए. CM योगी ने जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग और राहत एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा है कि अस्पतालों से लेकर पानी और बिजली तक, हर व्यवस्था पर खास नजर रखी जाए. ताकि गर्मी के कारण लोगों को परेशानी न हो. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सरकारी अस्पतालों में हीट स्टोक से प्रभावित मरीजों के इलाज की पूरी तैयारी रहनी चाहिए. मतलब साफ है- अगर तापमान और बढ़ता है, तो अस्पतालों पर दबाव बढ़ सकता है. इसलिए पहले से इंतजाम करने को कहा गया है. सीएम ने सीनियर अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पतालों में बेड, दवाइयां और जरूरी सुविधाओं की लगातार मॉनिटरिंग की जाए. गर्मी बढ़ते ही सबसे बड़ी समस्या बिजली कटौती और पानी की कमी बन जाती है. इसी को देखते हुए CM योगी ने कहा कि पेयजल और बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर विशेष नजर रखी जाए. कहीं भी लोगों को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए. अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाए और जरूरत पड़ने पर राहत व्यवस्था भी सक्रिय रखी जाए.

‘बच्चों और बुजुर्गों का खास ध्यान रखें’

मुख्यमंत्री ने जनता से भी अपील की है कि लू को लेकर सतर्क रहें. उन्होंने कहा कि खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों का ध्यान राखना जरूरी है, क्योंकि गर्मी का असर इन पर सबसे ज्यादा पड़ता है. सीएम ने लोगों को सलाह दी कि सूती या खादी के ढीले कपड़े पहनें, ज्यादा देर धूप में ना रहें और शरीर में पानी की कमी न होने दें. योगी सरकार ने बाहर काम करने वाले मजदूरों और श्रमिकों को लेकर भी चिंता जताई है.,

बकरीद पर आगरा में मुस्लिम परिवार ने काटा बकरे की तस्वीर वाला केक,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। बकरीद पर जहां कुछ लोग कुर्बानी की तैयारी करते हैं, वहीं यूपी में आगरा का एक मुस्लिम परिवार बिल्कुल अलग वजह से चर्चा में आ गया है. यहां एक परिवार ने बकरीद पर बकरे की कुर्बानी की जगह बकरे की तस्वीर वाला केक काटा और लोगों से जीव हत्या रोकने की अपील की. बकरीद आते ही आमतौर पर बाजारों में बकरों की चर्चा शुरू हो जाती है. कौन सा बकरा कितना भारी है, किसकी कितनी कीमत लगी, किसकी कैसी कुर्बानी होगी... लेकिन आगरा में एक परिवार ने इस बार पूरी कहानी ही बदल दी. यहां बकरीद से पहले एक मुस्लिम परिवार ने बकरे की कुर्बानी नहीं दी, बल्कि बकरे की तस्वीर वाला केक काटा. अब ये वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं और लोग कह रहे हैं- ये बकरीद का सबसे अलग मैसेज है. दरअसल, ये मामला आगरा के शाहगंज इलाके का है. तिरंगा मंजिल शेरवानी मार्ग पर रहने वाले एडवोकेट गुल चमन शेरवानी और उनके परिवार ने घर पर एक खास कार्यक्रम रखा. इस कार्यक्रम में बकरे की आकृति वाला केक लाया गया और पूरे परिवार ने मिलकर उसे काटा. इसके पीछे परिवार का एक बड़ा संदेश भी था. एडवोकेट गुल चमन शेरवानी ने कहा कि अल्लाह को दिखावा नहीं, बल्कि ईसान की नीयत पसंद है. उन्होंने कहा कि असली कुर्बानी अपने अंदर की बुराइयों, लालच, नफरत और अहंकार को छोड़ने में है. शेरवानी ने यह भी कहा कि आज कई लोग कुर्बानी के नाम पर दौलत की नुमाइश कर रहे हैं, जबकि भीख मांगकर खाने वाला ईसान भी अपनी सच्ची नीयत से असली कुर्बानी दे सकता है. जैसे ही लोगों को पता चला कि यहां 'बकरा केक' काटा जा रहा है, हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग इस पहल को देखने पहुंचे. कई लोगों ने परिवार की तारीफ करते हुए कहा कि त्योहारों का असली मतलब प्रेम और भाईचारा बढ़ाना होना चाहिए. इस दौरान परिवार ने लोगों से अपील की कि समाज में नफरत नहीं, बल्कि ईंसानियत और मोहब्बत का माहौल बनाना चाहिए. अब इस कार्यक्रम के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं. कई लोग इसे बकरीद का नया संदेश बता रहे हैं. कुछ यूजरर्स लिख रहे हैं

ब्राह्मणों पर कमेंट ‘पोकभान’को पड़ा महंगा, यूट्यूबर मनीष पटेल को जेल, समर्थन में उतरे कई कलाकार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। बघेली के मशहूर कलाकार मनीष पटेल को जेल हो गई है। मनीष पटेल ने अपने एक वीडियो में ब्राह्मणों को लेकर कमेंट किया था। इसके बाद से ब्राह्मण समाज का गुस्सा फूट पड़ा था। उनकी शिकायत पर रीवा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मनीष पटेल को तलाश शुरू कर दी थी। बुधवार को मनीष पटेल ने सरेंडर किया तो उसे जेल भेज दिया गया है।

वैलेंटाइन वीक में बनाया था वीडियो

जानकारी के मुताबिक, वैलेंटाइन वीक के दौरान मनीष पटेल ने यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो के साथ लिखे गए कैप्शन में ब्राह्मण समाज की युवतियों को लेकर बेवद

222 कार्टन लोड करके निकला था

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार फरियादी वाहन चालक रोहित सिसोदिया बड़वानी आईटीआई कॉलेज में मैकेनिक का छात्र हैं और अपने पिता के नाम से पंजीकृत बोलरो पिकअप वाहन का संचालन करता है। उसने बताया कि 26 मई को एक परिचित के कहने पर वह माल डुलाई के लिए इंदौर गया था। इंदौर के लसुड़िया क्षेत्र स्थित एक शराब डिपो से उसकी गाड़ी में 'पावर कूल स्ट्रॉंग बियर' के 222 कार्टन लोड किए गए और उसे परिवहन परमिट सौंपा गया। रास्ते में मोटरसाइकिल सवार लोगों ने रोका एफआईआर के मुताबिक वह शाम को इंदौर के डिपो से

चंदौली में ड्रोन कैमरों से नजर और गाइडलाइन का पालन

चंदौली में बकरीद का त्योहार बेहद हर्षोल्लास और शांति के साथ संपन्न हुआ. सुबह होते ही लोग इंदगाह और मस्जिदों की तरफ बढ़े और नमाज अदा की. जिले में तकरीबन 280 से अधिक चिन्हित स्थानों पर नमाज का आयोजन किया गया था. इमाम और नमाजियों ने बताया कि सरकार द्वारा जारी सभी निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन किया

सेना के शौर्य को समर्पित होगी वाटिका

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर

बड़ा पड़ गया, यूट्यूबर मनीष पटेल को जेल, समर्थन में उतरे कई कलाकार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

हाईकोर्ट से नहीं मिली थी राहत

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी

परमिट की 222 पेट्टी बियर लेकर पाटी के लिए रवाना हुआ। रास्ते में उसने अपने बचपन के दोस्त मनीष सोलंकी को मंडवाड़ा से साथ लिया। रात करीब 12:30 बजे जब वे बड़वानी के पाटी नका क्षेत्र के पास पहुंचे, तब कुछ युवकों ने गाड़ी रोकने का इशारा किया। चालक द्वारा वाहन नहीं रोकने पर दो मोटरसाइकिलों पर सवार चार युवक उनका पीछा करते हुए एक पेट्रोल पंप के पास पहुंचे और पिकअप को रोक लिया। मध्य प्रदेश में गर्मियों के पीक सीजन में बीयर की भारी कमी चल रही है। राज्य में रोजाना 2 लाख पेट्रियों की मांग है, लेकिन उत्पादन केवल 1 लाख पेट्टी ही हो पा रहा है। शराब ठेकेदार का बयान

मारपीट कर बताया 2 नंबर का माल

आरोप है कि बदमाशों ने चालक के साथ मारपीट की और गाड़ी में भरे माल के बारे में पूछताछ करते हुए वाहन पर कब्जा कर लिया। आरोपियों

30 मई को होगा नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण, रक्षा मंत्री और CM योगी करेंगे उद्घाटन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में भारतीय नौसेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित ' नौसेना शौर्य वाटिका ' का लोकार्पण 30 मई को किया जाएगा। सीजी सिटी में तैयार की गई इस विशेष वाटिका को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता को समर्पित करेंगे। यह परियोजना केवल एक पार्क या पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि भारतीय नौसेना के वीर जवानों और उनके साहस को श्रद्धांजलि देने का प्रयास मानी जा रही है। उद्घाटन से पहले पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को आयोजन स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

INS गोमती बनेगा मुख्य आकर्षण

नौसेना शौर्य वाटिका में भारतीय

के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। गिरफ्तारी से बचने के लिए मनीष पटेल ने जबलपुर हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए राहत देने से साफ इनकार कर दिया। जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस रामकुमार चौबे की एकल पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस तरह की टिप्पणियां समाज में वैमनस्य और नफरत फैलाने का काम करती हैं, इसलिए आरोपी को अग्रिम जमानत देने का कोई आधार नहीं बनता। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद रीवा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी मनीष पटेल को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। वहीं, कॉमेडी से सबको हंसाने वाला पोकभान पुलिस की गाड़ी में चुपपी सांथे रहा है।

ने पर कहा कि इस तरह का माल मिनी ट्रक से ही ले जाया जाना चाहिए, स्थानीय पिकअप से नहीं। उन्होंने कहा यह बिना कागजात का नंबर दो का माल है। फरियादी के अनुसार आरोपियों ने दोनों युवकों को बावनगजा पहाड़ी क्षेत्र की ओर ले जाकर उनके मोबाइल बंद करवा दिए और हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान दो आरोपी बियर से भरी पिकअप लेकर फरार हो गए।

लूटे गए माल की कीमत 4.8 लाख रुपये

बताया गया है कि लूटी गई पिकअप की कीमत करीब 11 लाख रुपये और बियर की खेप की कीमत लगभग 4.8 लाख रुपये थी। इस तरह कुल नुकसान करीब 15.8 लाख रुपये आंका गया है। पीड़ितों ने बताया कि आरोपियों ने उन्हें रात करीब 2:30 बजे गवाल बेड़ा मंदिर के पास छोड़ दिया और घटना किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। बाद में परिचितों से संपर्क कर तलाश करने पर उन्हें बावनगजा घाट क्षेत्र के पास पिकअप वाहन खाली हालत में खड़ा मिला। संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ बड़वानी कोतवाली प्रभारी बलजीत सिंह बिसेन ने बताया कि इस मामले में सूचना मिलते ही प्रकरण दर्ज कर विवेचना आरंभ कर दी.

फर्रुखाबाद में भाईचारे की मिसाल और अफसरों का गश्त

फर्रुखाबाद भी बकरीद का पावन त्योहार अमन, चैन और आपसी भाईचारे के संदेश के साथ संपन्न हो गया. जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों को मिलाकर कुल 229 स्थानों पर सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ जुटने लगी थी. सभी इंदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा कर देश की तरक्की और समृद्धि के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं. जिले के आला प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्रों में भ्रमण करते रहे. अधिकारियों ने नमाजियों को त्योहार की बधाई दी और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की. संभल जिले में बकरा ईद की नमाज को सक्रुशल संपन्न कराने के लिए कई प्रशासनिक प्रबंध देखने को मिले. पूरे जिले को 5 जोन और 16 सेक्टर में विभाजित किया गया था.

ओपन एयर म्यूजियम बनेगा आकर्षण का केंद्र

नौसेना शौर्य वाटिका में बनाए गए ओपन एयर म्यूजियम को विशेष रूप से आकर्षक बनाया गया है। यहां टीयू-142 विमान और उसके-42बी हेलीकॉप्टर भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इन सैन्य उपकरणों और विमानों के जरिए लोग भारतीय नौसेना की तकनीकी क्षमता और युद्ध कौशल को करीब से समझ सकेंगे।

बुलडोजर लेकर अतिक्रमण हटाने गई टीम पर महिला ने छत से फेंका लाल मिर्च पाउडर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले से एक बेहद हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां अतिक्रमण हटाने पहुंची राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम पर लाल मिर्च से हमला कर दिया गया। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला घर की छत से नीचे खड़े अधिकारियों और पुलिसकर्मियों पर तीखी लाल मिर्च बरसाती नजर आ रही है। मिर्ची का असर इतना तेज था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई और पूरी टीम को जान बचाकर वहां से पीछे हटना पड़ा।

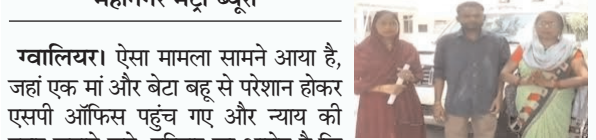
समझाइश के बाद अचानक आक्रामक हुआ परिवार

यह पूरा मामला उज्जैन जिला मुख्यालय से करीब 70 किलोमीटर दूर खाचरौद तहसील के ग्राम धिनोदा का है। यहां रहने वाले मांगीलाल पाटीदार द्वारा सड़क तक पक्का निर्माण कर अतिक्रमण करने की शिकायत प्रशासन को मिली थी। इसी शिकायत के आधार पर 19 मई को राजस्व विभाग के आरआई भगवान सिंह, पटवारी धर्मेन्द्र चौहान, पंचायत सचिव और खाचरौद थाना पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थे। शुरुआत में टीम ने मांगीलाल और उसकी पत्नी सजन बाई को समझाइश देकर खुद ही निर्माण हटाने को कहा, लेकिन दोनों अचानक उग्र हो गए। महिला और उसके पति के इस जानलेवा हमले के कारण टीम को बिना कार्रवाई पूरी किए ही वापस लौटना पड़ा। फिलहाल अतिक्रमण अब तक नहीं हटाया जा सका है। दोनों आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने और हमला करने के आरोप में खाचरौद थाने को सख्त कानूनी कार्रवाई के लिए पत्र भेज दिया गया है। चंद्रभान सिंह, ग्राम पंचायत सचिव

थाली में मिर्च लेकर छत पर चढ़ी महिला

तभी सजन बाई हाथ में लाल मिर्च पाउडर से भरी थाली लेकर अपने मकान की छत पर चढ़ गईं। जैसे ही नीचे खड़ी टीम ने कार्रवाई आगे बढ़ानी चाही, महिला ने ऊपर से मिर्च फेंकना शुरू कर दिया। मिर्च सीधे नीचे खड़े कर्मचारियों की आंखों और चेहरे पर जा गिरी, जिससे वहां चीख-पुकार मच गई।

iPhone-AC मांगती है...’ ग्वालियर में बहू से परेशान मां-बेटा पहुंचे SP ऑफिस



महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। ऐसा मामला सामने आया है, जहां एक मां और बेटा बहू से परेशान होकर एसपी ऑफिस पहुंच गए और न्याय की गुहार लगाने लगे. परिवार का आरोप है कि बहू बेटे के सांवले रंग को लेकर उसका मजाक उड़ाती है, मारपीट करती है और महंगे सामान की डिमांड करती है. मांग पूरी न होने पर आत्महत्या की धमकी देते और फांसी लगाने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया गया है. मामला ग्वालियर थाना क्षेत्र के गोशपुरा नंबर-1 का है. यहां रहने वाली अतर देवी अपने बेटे कमल किशोर के साथ एसपी ऑफिस पहुंचीं. उन्होंने पुलिस अधिकारियों को शिकायत देकर आरोप लगाया कि उनकी बहू पूरे परिवार को लगातार प्रताड़ित कर रही है. परिवार के मुताबिक, बहू अक्सर कमल किशोर को उसके रंग को लेकर ताने देती है और काला कहकर अपमानित करती है. परिवार का कहना है कि घर में आए दिन विवाद होता है और कई बार मारपीट की नौबत भी आ चुकी है. मां-बेटे का आरोप है कि बहू लगातार iPhone, AC और दूसरे महंगे सामान की डिमांड करती है. जब परिवार इन मांगों को पूरा नहीं कर पाता, तो वह आत्महत्या की धमकी देने लगती है. परिवार ने यह भी दावा किया कि बहू दो बार फांसी लगाने की कोशिश कर चुकी है. हाल ही में उसने दुपट्टे से फंदा लगाने का प्रयास किया था. पीड़ित सास अतर देवी का कहना है कि बहू उन्हें झूठे देहज प्रताड़ना केस में फंकाते की धमकी देती है. उन्होंने आरोप लगाया कि बहू घर का काम नहीं करती, खाना नहीं बनाती और शादी में मिला जेवर व अन्य सामान भी अपने कब्जे में रखे हुए है. सास का यह भी आरोप है कि बहू के मायके वाले उसे भड़काते हैं और कहते हैं कि परिवार को इतना परेशान करो कि तलाक हो जाए. परिवार का कहना है कि उन्होंने बहू की कथित प्रताड़ना से जुड़े कुछ वीडियो भी पुलिस को दिए हैं. उनका आरोप है.

तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद तुरंत पुलिस को इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी गई. गंगा घाट पर अश्लील हरकतें और पुलिस का एक्शन बाजार में उत्पान मचाने के बाद ये

चारों युवक हर की पौड़ी गंगा घाट पर पहुंच गए. वहां वे यात्रियों को जबरन हटकर खुद गंगा में कूद गए. नशे की हालत में रैते हुए ये आपस में बेहद अश्लील हरकतें कर रहे थे. सूचना मिलते ही हर की पौड़ी चौकी ईचार्ज संचित कंडारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने इन युवकों को बहती गंगा से बाहर निकाला और हिरासत में ले लिया. जांच में पुष्टि हुई कि चारों आरोपी बागापत के थाना खेकड़ा क्षेत्र के रहने वाले हैं और पूरी तरह शराब के नशे में थे. तीर्थ पुरोहितों में भारी आक्रोश, दो सख्त चतावनी इस घटना पर तीर्थ पुरोहित उज्ज्वल पंडित ने गहरा रोष व्यक्त किया है. उन्होंने बताया कि वे खुद इन युवकों की पीछे-पीछे चल रहे थे और पुलिस को पल-पल की जानकारी दे रहे थे.

घर के अंदर दो महिलाओं की लाशें...2 दिन बाद काम पर पहुंची मेड तो हुआ खुलासा



दिल्ली। न्यू राजेंद्र नगर इलाके में उस वक़्त सनसनी फैल गई, जब एक घर के अंदर दो बुजुर्ग महिलाओं के शव संदिग्ध हालत में मिले. पड़ोसियों को कई दिनों से घर में कोई हलचल नजर नहीं आ रही थी. बदबू आने पर मामले को खुलासा हुआ. पुलिस और फ़ोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुटी है. शुरुआती जांच में शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं. दिल्ली के न्यू राजेंद्र नगर इलाके के आर ब्लॉक में दो बुजुर्ग महिलाओं के शव मिलने से हड़कंप मच गया. जानकारी के मुताबिक दोनों महिलाएं एक ही मकान में रहती थीं. इनमें से एक महिला की उम्र करीब 80 साल बताई जा रही है. दोनों के शव घर के अलग-अलग हिस्सों में पड़े मिले. दो दिन बाद काम पर आई थी मेड बताया जा रहा है कि पिछले दो दिनों से घर में काम करने वाली नौकरानी नहीं आई थी. गुरुवार सुबह जब वह घर पहुंची तो अंदर से तेज बदबू आ रही थी. काफी देर तक दरवाजा खटखटाने पर भी नहीं खुला तो उसे शक हुआ . उसे आसपास के लोगों को जानकारी दी. इसके बाद गेट तोड़कर अंदर देखा गया तो दोनों महिलाएं मृत अवस्था में मिलीं. संभवतः दो दिन पहले ही उनकी मौत हो गई थी. सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और फ़ोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई. पुलिस के अनुसार दोनों शवों पर किसी तरह के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं. फिलहाल मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है. पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है.

कमरे में मिली 25 साल की मेकअप आर्टिस्ट की लाश, सुसाइड नोट में किसका जिक्र?



पश्चिमी दिल्ली। निहाल विहार में 25 वर्षीय मेकअप आर्टिस्ट ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. युवती अपने दोस्त के कमरे में फंदे से लटकती मिली, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें एक परिचित व्यक्ति पर आरोप लगाए गए हैं. पोस्टमार्टम में मौत की वजह फांसी बताई गई है. पुलिस आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में जुटी है और मामले की जांच जारी है. पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में 25 वर्षीय मेकअप आर्टिस्ट के कथित तौर पर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है. पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें उसने एक परिचित व्यक्ति पर आरोप लगाए हैं. पुलिस के अनुसार, 26 मई को करीब 2:15 बजे निहाल विहार थाने में घटना की पीसीआर कॉल मिली थी. जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां युवती अपने दोस्त के कमरे में फंदे से लटकी हुई मिली. उसे तुरंत बालाजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने मौत का कारण फांसी बताया. जांच के दौरान पुलिस को मौके से सुसाइड नोट मिला, जिसमें युवती ने एक जानकार व्यक्ति का नाम लिया है और उस पर गंभीर आरोप लगाए हैं. पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के आधार पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और आगे की जांच जारी है.

दिल्ली में इस तारीख को शुरू होगा SIR, घर-घर आएंगे BLO



नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने दिल्ली में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने बुधवार को कहा कि 30 जून से बीएलओ घर-घर जाकर तय नियमों के अनुसार यहाँ SIR की प्रक्रिया शुरू करेंगे। एक महीने के अंदर इसे पूरा किया जाएगा। इसके लिए आयोग ने ASDDF फॉर्मूला तैयार किया है। बीएलओ मौके पर जाकर देखेंगे कि क्या कोई वोटर एब्सेंट है, कहीं और शिफ्ट हो गया है, डेथ हो गई या डुप्लीकेट मतदाता है या फॉरेन नेशनल है। ऐसे कारण अगर आस-पड़ोस से पूछताछ और लिस्ट की चेंकिंग के बाद मिलते हैं तो वोटर लिस्ट से नाम हटा दिया जाएगा।

अशोक कुमार ने बताया कि BLO जब लोगों के घर आएंगे, तो वे दो कॉपियों वाला एक एन्यूमरेशन फॉर्म देंगे। इसकी एक कॉपी भरकर वापस बीएलओ को देनी होगी। अगर आपका घर बंद मिलता है या आप बीएलओ से नहीं मिल पाते हैं, तो वे आपके घर में फॉर्म छोड़कर चले जाएंगे। नियम के मुताबिक, बीएलओ को एक घर में कम से कम तीन बार चक्कर लगाने के निर्देश दिए गए हैं। तब ASDDF के तहत उनका नाम काटा जाएगा। ऑनलाइन फॉर्म भरने का विकल्प भी खुला रखा गया है।

वेबसाइट पर मौजूद है पुराना रिकॉर्ड

जनता को अपने पुराने रिकॉर्ड ढूंढने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए वेबसाइट voters.eci.gov.in पर साल 2002 की वोटर लिस्ट अपलोड कर दी गई है। जो लोग 2002 से दिल्ली में स्थायी रूप से रह रहे हैं, वे वहां अपना ब्योरा देख सकते हैं। फॉर्म पर BLO का नाम और नंबर अशोक कुमार ने कहा कि एन्यूमरेशन फॉर्म पर संबंधित बूथ के बीएलओ का नाम और मोबाइल नंबर दर्ज होगा। फॉर्म भरने में समस्या आने पर या 2002 की लिस्ट नाम न मिलने पर बीएलओ से जानकारी ले सकते हैं। इसके लिए दिल्ली में 13,033 बीएलओ की इ्यूटी लगाई जाएगी। वोटर एब्सेंट है, कहीं और शिफ्ट हो गया है, डेथ हो गई है या डुप्लीकेट मतदाता है या फॉरेन नेशनल है। अशोक कुमार ने कहा कि एन्यूमरेशन फॉर्म पर संबंधित बूथ के बीएलओ का नाम और मोबाइल नंबर दर्ज होगा। जिन्हें फॉर्म भरने में समस्या आ रही है या 2002 की सूची में उनका नाम नहीं मिल रहा है,

स्कूटर से टकरा गया टेंपो, ड्राइवर की पीट-पीटकर कर दी हत्या, प्राइवेट पार्ट पर मारी लात

आरोप है कि स्कूटर छू जाने से नाराज तीन युवकों ने ड्राइवर को बेरहमी से पीटा और उसके प्राइवेट पार्ट पर वार कर दिया. इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र ठाणे जिले से रोड रेज का सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां मामूली सड़क हादसे के बाद तीन युवकों ने कथित तौर पर एक टेंपो ड्राइवर की इतनी बेरहमी से पिटाई की कि उसकी मौत हो गई. पुलिस ने इस मामले में दो सगे भाइयों समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. एजेंसी के अनुसार, घटना 22 मई को शिल-डायघर पुलिस थाना क्षेत्र के धावले गांव में एक स्कूल के पास हुई थी. मृतक की पहचान 38 वर्षीय केतन धामनस्कर के रूप में हुई है, जो टेंपो चलाता था. पुलिस का कहना है कि केतन का टेंपो कथित तौर पर 21 वर्षीय जितेश तुकाराम तावरे के स्कूटर से हल्का सा टकरा गया था. इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया. बाद में जितेश अपने भाई और एक साथी के साथ केतन के घर पहुंचा और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी. मृतक की पत्नी की शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने केतन को बार-बार लात मारी. इस दौरान उसके प्राइवेट पार्ट पर गंभीर चोटें आईं. परिवार का आरोप है कि



पिटाई इतनी बुरी थी कि बाद में केतन की मौत हो गई. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. पुलिस ने गुरुवार तड़के कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 21 वर्षीय जितेश तावरे, उसके भाई और उनके साथी 24 वर्षीय धीरज दगडू म्हात्रे के रूप में हुई है. पुलिस ने हत्या का मामला

दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. पुलिस का कहना है कि टेम्पो स्कूटर से टकरा गया था. इसी पर विवाद हुआ. फिर उसी दिन जितेश और दो अन्य लोग केतन के घर गए और उसे लातों से मारा, इस दौरान केतन को गंभीर चोट पहुंची, जिससे उसकी जान चली गई.

घर में घुस रहा था सीवर का पानी, मजबूरी में गर्दन तक नाले में उतर गया शख्स



इलाके का है. यहां ड्रेनेज लाइन बुरी तरह चोक हो गई थी. हालत ऐसी हो गई कि गंदा पानी लोगों के घरों में घुसने लगा. स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार नगर निगम और वार्ड पार्षद को शिकायत दी गई. लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. इसी बीच सैय्यद समीर के घर में भी सीवर का पानी भरने लगा. समीर प्लांबिंग का काम करते हैं. उन्होंने पहले इंतजार किया कि शायद प्रशासन आएगा और समस्या ठीक करेगा. लेकिन जब कोई नहीं पहुंचा, तो उन्होंने खुद ही मोर्चा संभाल लिया. वायरल वीडियो में दिखाई देता है कि ड्रेनेज चेंबर का

मातोश्री से एक कॉल, देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे कैंप को किया साइडलाइन,



पुश्तैनी घर) से एक फ़ोन आया। इस बातचीत के बाद घटनाक्रम तेजी से बदलने लगा।

बीजेपी ने पर्दे के पीछे से लगाई रोक

आदित्य ठाकरे के निर्देश पर, शिवसेना के विधान परिषद सदस्य मिलिंद नावेंकर ने मुख्यमंत्री को प्रस्तावों में मौजूद कमियों के बारे में जानकारी दी। नावेंकर के अनुसार, इसके बाद देवेंद्र फडणवीस ने तुरंत BJP पार्षदों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी और निर्देश दिया कि BMC में इन प्रस्तावों को रोक दिया जाए। दिलचस्प बात यह है कि शिंदे गुट की शिवसेना के एक पार्षद ने भी ब्लड बैंक प्रस्ताव पर फिर से विचार करने का समर्थन किया, जबकि BJP ने पर्दे के पीछे से चुपचाप इस रोक को लागू

पीएम मोदी की अपील, मुंबई में साइकल चलाती नजर आई महाराष्ट्र CM की पत्नी अमृता फडणवीस,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस साइकल लेकर घर के बाहर निकलीं। उन्होंने कहा कि वह ईंधन की बचत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर अमल कर रही हैं। अमृता फडणवीस ने बताया कि उन्होंने कम दूरी की यात्रा के लिए साइकिल का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। अमृता फडणवीस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह मुंबई की सड़कों पर साइकिल चलाते हुए नजर आ रही हैं। अमृता फडणवीस ने कहा कि ईंधन संरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान से प्रेरित होकर मैंने अपने घर से 5-7 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी कामों के लिए साइकिल का इस्तेमाल शुरू कर दिया है।

पेट्रोल-डीजल की बचत के लिए पहल

देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने कहा कि पेट्रोल और डीजल बचाने की दिशा में यह



मेरा एक छोटा सा व्यक्तिगत कदम है, जिससे एक स्वस्थ जीवन शैली को भी बढ़ावा मिलेगा। अमृता फडणवीस अपने मुंबईवाले सरकारी आवास से साइकल पर निकलीं। उन्होंने शर्ट और लोवर अपना था। सिर पर हेलमेट भी लगाया था। महाराष्ट्र सीएम का सरकारी आवास वर्षों मुंबई में

मालाबार हिल में है। यहाँ से वह साइकल पर लगभग 3 किमी दूर कुंबाला हिल स्थित 'चिर्नाथ मेशन' तक साइकल से पहुँचीं। अमृता फडणवीस के पीछे उनके गाईड्स भी सादे कपड़ों में पीछे-पीछे साइकल पर चलते नजर आए।

दिल्ली में पार्किंग की समस्या से मिलेगा सुटकारा! 3 हजार नई जगहों की होगी पहचान



दिल्ली। पार्किंग और ट्रैफ़िक जाम की समस्या कम करने के लिए छ्छ ने 3 हजार से ज्यादा खाली भूखंडों को पार्किंग में बदलने की योजना बनाई है। स्त्र तरनजीत सिंह संधू की बैठक में बताया गया कि इससे करीब एक लाख गाड़ियों की पार्किंग व्यवस्था हो सकेगी और राजधानी में ट्रैफिक दबाव कम करने में मदद मिलेगी। एक लाख गाड़ियों को मिलेगी जगह, सबसे ज्यादा 98 जगह द्वारका ज़ोन में राजधानी में पार्किंग और उसकी वजह से लगने वाले जाम से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। स्त्र तरनजीत सिंह संधू ने छ्छ को दिल्ली में तीन हजार पार्किंग जगहों की पहचान करके काम शुरू करने का निर्देश दिया है। स्त्र ने बुधवार को इसे लेकर सभी सात लोकसभा सांसदों और छ्छ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हाई लेवल बैठक की है। बैठक में राजधानी के विकास, नागरिक सुविधाओं और ज़मीनी स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार को लेकर चर्चा हुई। LG की सांसदों के साथ हुई बैठक में बताया गया कि पार्किंग की समस्या से निजात के लिए DDA अगले एक साल के भीतर दिल्ली भर में 3 हजार से ज्यादा खाली भूखंडों की पहचान करेगा, जिनका इस्तेमाल सरफेस पार्किंग के रूप में किया जाएगा। फिलहाल 232 खाली पड़े DDA के प्लॉट को पार्किंग में बदलने को लेकर टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि इन भूखंडों की पहचान के बाद करीब एक लाख गाड़ियों की पार्किंग की व्यवस्था की जा सकेगी। पार्किंग के लिए जिन 232 जगहें चिह्नित की गई हैं। इनमें सबसे ज्यादा 98 जगह द्वारका ज़ोन में हैं। इसके अलावा 53 उत्तर ज़ोन, 30 रोहिणी ज़ोन, 28 पूर्वी ज़ोन और 23 दक्षिण ज़ोन में हैं।

LG तरनजीत सिंह संधू ने सातो सांसदों के साथ की बैठक

DDAअधिकारियों का कहना है कि इससे पार्किंग संकट कम होने के साथ ट्रैफिक जाम की समस्या से भी राहत मिलेगी। बैठक में पार्किंग और ट्रैफिक के अलावा अतिक्रमण, खाली पड़ी DDA ज़मीनों के इस्तेमाल और DDA पार्कों की देखरेख जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। सभी सांसदों ने अवैध कब्जा और अतिक्रमण को बड़ी समस्या बताते हुए कार्रवाई में पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। सूत्रों की मानें तो स्त्र और सांसदों के साथ बैठक अब नियमित आयोजित की जाएगी। बैठक में मौजूद साउथ दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि बैठक में हमने DDA की अतिक्रमण वाली ज़मीनों को खाली करने के साथ-साथ साउथ दिल्ली में 69 एन्स्ट्रुएट कॉलोनियों को नियमित करने, ग्रामसभा की ज़मीन पर गांव वासियों के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने और ग्राम सभा की खाली पड़ी ज़मीन पर पार्कों के विकास का मुद्दा उठाया।

दिल्ली में अब ?2.5 लाख सालाना आय वालों को भी मिलेगा राशन कार्ड



महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार की नई नीति के तहत 2.5 लाख तक सालाना कमाने वाले लोग भी अब राशन कार्ड का लाभ उठा सकेंगे. इससे बड़ी संख्या में मध्यम वर्गीय और निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद है. दिल्ली सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए बड़ा और अहम फैसला लिया है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में राशन कार्ड के लिए आय सीमा को बढ़ाकर ?2.5 लाख सालाना कर दिया गया है. इस निर्णय के बाद अब राजधानी के हजारों ऐसे परिवार, जो अब तक आय सीमा के कारण सरकारी राशन योजना से वंचित थे, वे भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे.

पहले क्या थी स्थिति?

अब तक दिल्ली में राशन कार्ड बनवाने के लिए सालाना आय सीमा काफी कम थी. शुरुआत में यह सीमा एक लाख रुपये रखी गई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 1.2 लाख किया गया. लगातार बढ़ती महंगाई और शहरी जीवन के खर्च को देखते हुए यह सीमा कई परिवारों के लिए अपर्याप्त साबित हो रही थी. नई नीति के तहत 2.5 लाख तक सालाना कमाने वाले लोग भी अब पात्र होंगे. इससे बड़ी संख्या में मध्यम वर्गीय और निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद है.

क्या होगा इसका सीधा फायदा?

इस फैसले के लागू होने के बाद अधिक परिवार सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) से जुड़ सकेंगे. गरीब और जरूरतमंदों को सस्ते दरों पर अनाज उपलब्ध होगा. खाद्य सुरक्षा का दायरा और मजबूत होगा. महंगाई के दौर में आम आदमी को सीधी राहत मिलेगी. खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी जरूरतमंद परिवार राशन जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित न रहे.

ये हैं फायदे

CBDC आधारित राशन प्रणाली सरकार सिर्फ आय सीमा बढ़ाने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि राशन वितरण प्रणाली को तकनीकी रूप से मजबूत करने की दिशा में भी काम कर रही है. दिल्ली सरकार जल्द ही Central Bank Digital Currency आधारित राशन वितरण मॉडल लागू करने की तैयारी कर रही है. इस नई प्रणाली के तहत लाभार्थियों को वित्तीय सहायता सीधे उनके खातों में दी जाएगी. डिजिटल करेंसी के जरिए राशन दुकानों से अनाज खरीदा जा सकेगा. नकद लेन-देन की जरूरत कम होगी. सिस्टम में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी. सरकार इस डिजिटल राशन मॉडल को चरणबद्ध तरीके से लागू करेगी. भविष्य में इसे बैंकिंग सिस्टम से भी जोड़ा जाएगा, जिसमें सरकारी और निजी दोनों बैंक शामिल हो सकते हैं. इससे भुगतान प्रक्रिया और आसान होगी. भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर लगाम लगेगी. लाभार्थियों को समय पर और सही मात्रा में राशन मिल सकेगा.

क्या कहती है सरकार?

सरकार का मानना है कि यह पहल न सिर्फ खाद्य सुरक्षा को मजबूत करेगी, बल्कि डिजिटल इंडिया की दिशा में भी बड़ा कदम साबित होगी.



नौहीद साइरूसी ने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में बताया

‘अनवर’ फेम नौहीद साइरूसी पिछले कुछ समय से फिल्मों में नजर नहीं आ रही हैं। फैस लगातार उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछ रहे थे, जिसके बाद उन्होंने अब इस पर खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री का काली सच्चाई के बारे में भी बताया, जिसे सुनकर सब चौंक गए।

नौहीद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी गैरमौजूदगी की असली वजह बताई। वीडियो में वह स्क्रीनकेयर करते हुए नजर आई और एक फैन के मैसेज का जवाब दिया, जिसमें पूछा गया था, ‘आपकी कोई आने वाली फिल्म या शो है?’

इस पर उन्होंने साफ कहा कि यह सबसे ज्यादा पूछा जाने वाला सवाल है और अब वह इसका सीधा जवाब देना चाहती हैं। नौहीद ने बताया कि इंडस्ट्री में काम करने के दौरान कुछ ऐसी उम्मीदें होती हैं, जो उन्हें अनकम्फर्टेबल कर देती हैं। उन्होंने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय यह मान लिया जाता है कि एक्टर को किसिंग या इंटिमेंट सीन करने में कोई दिक्कत नहीं होगी, लेकिन ऐसा नहीं होता है। उन्होंने कहा, ‘फिल्म इंडस्ट्री में आज के समय में काम करना अच्छा है, लेकिन एक चीज है जो कॉन्ट्रैक्ट में होती है। आपको किसिंग और इंटिमेंट सीन करने में पूरी तरह कम्फर्टेबल होना पड़ता है। मुझे ऐसा लगता है कि आजकल बिना वजह भी ऐसे सीन जोड़ दिए जाते हैं। और सच कहूँ तो मुझे नहीं लगता कि हम स्क्रीन पर किसिंग करते हुए अच्छे लगते हैं। पता नहीं क्यों, शायद इन्हें सही तरीके से शूट करना नहीं आता।’ उन्होंने आगे बताया कि इस सोच की वजह से उन्हें अपने करियर में नुकसान भी उठाना पड़ा। उन्होंने कहा, ‘कई बार तो ऐसा होता है कि मैं हाँ या ना भी नहीं कह पाती, उससे पहले ही मुझे रिजेक्ट कर दिया जाता है, क्योंकि मैं कहती हूँ कि मैं किसिंग सीन में कम्फर्टेबल नहीं हूँ।’ उन्होंने आगे कहा, ‘मैं उन लोगों में से नहीं थी जो एक्टर्स या प्रोड्यूसर्स के ग्रुप में घूमती रहती हों। मेरी एक्टिंग के अलावा भी एक पूरी जिंदगी थी। इसी वजह से मुझे अक्सर नुकसान झेलना पड़ता था। मुझे सिर्फ किसी की बहन, किसी की भाभी जैसे छोटे रोल ही मिलते थे। लेकिन मैंने सोच लिया था कि मुझे ऐसा काम नहीं करना है। मैं ऐसे रोल करने से बेहतर है कि काम ही ना करूँ।’ उन्होंने आगे कहा, ‘फिर मुझे समझ आया कि इंस्टाग्राम ही मेरा असली रास्ता है।



बॉम्बे स्टोरीज में अपने किरदार पर खुलकर बोलीं अनुप्रिया

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ‘बॉम्बे स्टोरीज’ को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। यह फिल्म कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जा रही है। किसी भी कलाकार के लिए कान्स तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है और अनुप्रिया के लिए भी यह मोका बेहद खास है, क्योंकि यह उनकी पहली इंडिपेंडेंट फिल्म है। फिल्म का निर्देशन राहत शाह काजमी ने किया है और इसकी कहानी मशहूर लेखक सआदत हसन मंटो की चर्चित कहानी ‘हतक’ से प्रेरित है। फिल्म में समाज के उस हिस्से की कहानी दिखाई गई है, जिसके बारे में अक्सर लोग खुलकर बात नहीं करते। फिल्म ‘बॉम्बे स्टोरीज’ में अनुप्रिया गोयनका एक सेक्स वर्कर के किरदार में हैं। उनके साथ फिल्म में मौनी रॉय और सुष्मिता सिंह भी अहम भूमिकाएं निभा रही हैं। फिल्म में सेक्स वर्कर्स की जिंदगी, उनके संघर्ष, समाज के नजरिए और उनके भीतर छिपी भावनाओं को दिखाने की कोशिश की गई है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अनुप्रिया ने कहा, ‘मैं लंबे समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती थी। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि मेरी पहली फिल्म मंटो

की कहानी पर आधारित है। ‘हतक’ शब्द का मतलब अपमान होता है और फिल्म की कहानी भी इसी भावना के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरा किरदार सौगंधी समाज की नजरों और लोगों के फैसलों के बीच खुद को समझने की कोशिश करती है।’ अभिनेत्री ने अपने किरदार को समझाते हुए कहा, ‘सौगंधी एक ऐसी महिला है, जिसने अपनी जिंदगी को उसी रूप में स्वीकार कर लिया है, लेकिन उसके दिल में भी प्यार और सम्मान पाने की चाहत है। वह चाहती है कि कोई उसे सिर्फ शरीर की नजर से न देखे, बल्कि उसे एक इंसान और एक महिला के रूप में महसूस करे। इस किरदार में मुझे खुद की कई भावनाएं नजर आईं। मैंने इस किरदार को निभाते हुए एक महिला के कई अलग-अलग पहलुओं को समझा और महसूस किया।’ अनुप्रिया गोयनका ने सेक्स वर्क को लेकर कहा, ‘अगर कोई व्यक्ति अपनी इच्छा से यह काम चुनता है, तो यह उसका अधिकार और उसका फैसला है। इसे किसी दूसरे पेशे की तरह ही देखा जाना चाहिए। लेकिन जब किसी महिला को मजबूरी में इस काम में धकेला जाता है, उसके अधिकार छीन लिए जाते हैं या उसे इंसान की तरह सम्मान नहीं मिलता, तब यह गलत और दुखद बन जाता है।’ उन्होंने कहा, ‘समाज में सेक्स वर्कर्स को अक्सर सिर्फ एक वस्तु की तरह देखा जाता है, जबकि उनके भी सपने, भावनाएं हैं और उन्हें भी सम्मान की जरूरत होती है। जब तक किसी को उसकी इच्छा के खिलाफ इस काम में मजबूर नहीं किया जाता, तब तक समाज को उसे जज करने का अधिकार नहीं होना चाहिए।’



साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर बोमन ईरानी ने रखी अपनी राय

अभिनेता बोमन ईरानी की फिल्म ‘पेड्ली’ सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। फिल्म को लेकर उत्साहित अभिनेता प्रमोशन में व्यस्त भी हैं। इस बीच उन्होंने साउथ बनाम उत्तर सिनेमा की बहस पर अपनी राय रखी। अभिनेता का स्पष्ट तौर पर मानना है कि हम सब भारतीय हैं और इंडस्ट्री में भाषा नहीं बल्कि कहानी और काम मायने रखता है। उन्होंने भारतीय सिनेमा जगत में लंबे समय से चली आ रही उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत की बहस पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस बंटवारे से वह पूरी तरह थक चुके हैं और बताया कि आखिरकार हम सब एक हैं- हम सब भारतीय हैं।

बोमन ईरानी ने बताया, ‘सच कहूँ तो, मैं अब इस उत्तर-दक्षिण भारत की बहस से ऊब चुका हूँ। आखिरकार, हम सब भारतीय ही तो हैं। देश में हर 200 किलोमीटर पर भाषा बदल जाती है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि कोई किसी दूसरे को विदेशी समझे।’

बोमन ने कहा, ‘दिल्ली का रहने वाला व्यक्ति मुझसे अलग तरह की हिंदी बोलेंगा लेकिन सिनेमा वहीं रहता है। इंसानियत वही रहती है और इस देश से प्यार करने वाले लोग भी वही हैं। आज भारतीय सिनेमा क्षेत्रीय सीमाओं से बहुत आगे निकल चुका है। अलग-अलग भाषाओं में बनी फिल्में पूरे देश के साथ ही दुनिया में भी सराही जा रही हैं। अपनी अपकमिंग फिल्म ‘पेड्ली’ का उदाहरण देते हुए बोमन ने कहा, ‘हैदराबाद में बनी फिल्म का प्रचार करने के लिए लोग मुंबई आ रहे हैं। यह हमारे खुबसूरत देश का ही हिस्सा है।’ बोमन ईरानी ने अभिनय की गहराई पर भी बात की। उन्होंने कहा कि भाषा चाहे हिंदी हो, अंग्रेजी हो या मराठी, अभिनेता को संवाद के अंदरूनी अर्थ यानी सबटेक्स्ट को समझना चाहिए। आप पहले अपनी भाषा में सोचिए, फिर उसे कहिए। दर्शकों तक भाव पहुंच जाना चाहिए। ‘मुन्ना भाई एमबीबीएस’, ‘3 इडियट्स’, ‘खोसला का घोषला’, ‘डॉन’ और ‘पीके’ जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले बोमन ईरानी की अपकमिंग फिल्म ‘पेड्ली’ में राम चरण, जान्हवी कपूर और दिव्येंद्र शर्मा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

क्या शाहरुख की ‘किंग’ का हिस्सा होंगे रणवीर सिंह?

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्म ‘किंग’ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में ‘किंग’ की शूटिंग की तस्वीरें वायरल हुईं, जिसने लोगों का ध्यान खींचा है। अब खबरें आ रही हैं कि ‘धुरंधर’ स्टार रणवीर सिंह ‘किंग’ का हिस्सा होंगे। सोशल मीडिया पर कई फैस इस बारे में टवीट कर रहे हैं। ऑनलाइन चल रही चर्चाओं के मुताबिक, रणवीर जल्द ही अपकमिंग फिल्म ‘किंग’ में नजर आ सकते हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया हैंडल्स पर की गई कुछ अणुष्ट पोस्ट्स में दावा किया गया है कि इस फिल्म में रणवीर एक स्पेशल रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण भी मुख्य भूमिका में हैं। कई पोस्ट के अनुसार रणवीर ने कथित तौर पर लगभग दो हफ्ते पहले इंटरनेशनल शेड्यूल के दौरान ‘किंग’ के लिए एक खास सीक्वेंस शूट किया है। हालांकि इस प्रोजेक्ट में उनकी भागीदारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर यह चर्चा तब शुरू हुई जब एक्टर को फिल्म के सेट पर देखा गया। शुरुआत में, सेट पर रणवीर सिंह को देखकर यह माना गया था कि यह उनकी एक निजी यात्रा है। खबरें थीं कि रणवीर अपनी गर्भवती पत्नी दीपिका और एक साल की बेटी दुआ के साथ आए थे। हाल ही में रणवीर को फिल्म के क्रू सदस्यों के साथ पोज देते हुए भी देखा गया, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं।



एक्शन-थ्रिलर ‘बेनाम’ में लीड रोल निभाएंगे वीर पहाड़िया

अभिनेता वीर पहाड़िया अपनी अगली फिल्म ‘बेनाम’ के साथ एक नए सिनेमाई सफर के लिए तैयार हैं। इस अपकमिंग एक्शन-थ्रिलर फिल्म में वीर लीड रोल में नजर आएंगे। वहीं, इस प्रोजेक्ट को और दिलचस्प बनाते हुए अनुभवी फिल्ममेकर महेश भट्ट फिल्म के प्रेजेंटर के तौर पर जुड़ चुके हैं, जिससे फिल्म को एक मजबूत क्रिएटिव सपोर्ट भी मिला है। माना जा रहा है कि ‘बेनाम’ एक रूटेड एक्शन एंटरटेनर है, जिसमें दमदार इमोशंस के साथ हाई-ऑक्टेंन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। इसके अलावा, फिल्म में एक कमर्शियल अपील वाला म्यूजिक एल्बम भी शामिल होने की उम्मीद है। मेकर्स का लक्ष्य एक्शन, इमोशन और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाते हुए दर्शकों को एक दमदार सिनेमाई अनुभव देना है। सूत्रों के मुताबिक, वीर इस फिल्म में पहली बार एक रफ और ररड एंटी-हीरो के किरदार में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि यह किरदार अभिनेता की अब तक की स्क्रीन इमेज से बिल्कुल अलग होगा और उनके व्यक्तित्व का एक गहरा और ड्रैट्स पक्ष दर्शकों के सामने आएगा। माना जा रहा

है कि हो सकता है, यह फिल्म वीर के करियर में एक नया मोड़ भी साबित हो। हालांकि फिल्म की सपोर्टिंग कास्ट और तकनीकी टीम को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इंडस्ट्री में इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। वैसे आने वाले दिनों में मेकर्स आधिकारिक घोषणा के साथ फिल्म से जुड़ी और जानकारी साझा कर सकते हैं। लहाल एक दमदार एक्शन कहानी, इमोशनल ड्रामा और महेश भट्ट की मौजूदगी के साथ ‘बेनाम’ ने अभी से फिल्म प्रेमियों और इंडस्ट्री के लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। वहीं, यह फिल्म वीर पहाड़िया के लिए भी एक अलग और एक्शन-प्रधान अवतार में खुद को साबित करने का बड़ा मौका मानी जा रही है।



मेरी सफलता मेरी खुद की है, जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती



अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने अपने करियर, अभिनय और सिनेमा से जुड़े कई पहलुओं पर दिलचस्प बातें साझा कीं।

मेरी सफलता मेरी खुद की है

मंच पर पहुंचीं ऋचा से जब पूछा गया कि क्या स्टेट पर आने पर या परफॉर्म करते वक्त नर्वसनेस होती है? तो एक्ट्रेस ने कहा, ‘नर्वस तो नहीं होती लेकिन जब मेरी इतनी तारीफ होती है तो अविश्वसनीय लगता है। लखनऊ मेरा ससुराल है। अपनी यात्रा को लेकर मैं बहुत तहें दिल से शुक्रगुजार हूँ। मुझे इस बात की खुशी है कि मुझे मेरे पसंदीदा करियर में मुकाम मिला है। मैं फिल्मी खानदान से नहीं हूँ। तो यह अच्छा लगता है कि यहां तक अपने दम पर पहुंची हूँ। लोग नेपोटिज्म पर बात करते हैं। मगर, इसका उल्टा भी होता है। मेरा सक्सेस मेरा खुद का है।

जीत-हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, ‘किसी का करियर या जिंदगी एक प्रोसेस होती है। उसमें कोई डेस्टिनेशन नहीं होती। मैं जीत और हार के बारे में ज्यादा नहीं सोचती। मुझे अच्छा लगता है कि मैं अपने उसूलों

को कायम रखकर अपना काम चुन-चुनकर यहां तक पहुंची हूँ। हां, करियर की शुरुआत में जरूर कुछ ऐसी सिक्रेट में काम किया जिन्हें कहते हैं कि अपना दिमाग घर पर रखकर आओ।’

कभी जर्नलिस्ट बनने की चाहत थी क्या ऋचा हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं? पूछा जाने पर ऋचा ने कहा, ‘बनना तो चाहती थी पर मुझे पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। मैं जर्नलिस्ट भी बनना चाहती थी। मेरी हिंदी-इंग्लिश दोनों बहुत अच्छी थी। म्यूजिक में भी रुचि थी। एक्टिंग का शौक था। फिर यह रुचि, ऋचा पर हावी हो गई और मैंने अपना करियर पथ चुना।’

मैंने हमेशा स्ट्रगल का स्वाद लिया अपने शुरुआती दौर पर बात करते हुए ऋचा ने कहा, ‘शुरुआत में मेरा बहुत स्ट्रगल रहा। मैं कोई दुख की ऐसी कहानी आपके साथ नहीं साझा करना चाहती कि मैं रेलवे स्टेशन पर सोई। मैंने स्ट्रगल का बहुत स्वाद लिया। यही सोचा कि जब मेरे पास फेम और पैसा आ जाएगा तो यह संघर्ष के दिन मुझे कितने याद आएंगे। कभी केतली में मेगी बनाकर भी खाती थी, तो स्ट्रगल सबका होता है पर ऊपर वाला बहुत कृपालु रहा।’ लोग क्या कहेंगे? यह नहीं सोचती

मंच पर ऋचा ने कहा, ‘दुनिया का सबसे बड़ा रोग, क्या कहेंगे लोग। मुझे यह रोग नहीं पालना। मैं अपने सपनों के लिए, अपने समाज के लिए काम करना चाहती हूँ। इसमें कुछ तो लोग कहेंगे... लोगों का काम है कहना, यह गाना सुनकर मैं अपना मन बहला लेती हूँ। यह हमारी जर्नी का हिस्सा है।’

इंडस्ट्री को एक सोच बदलनी हो तो कहां जरूरत है उसकी?

मुझे बॉलीवुड में कुछ नहीं बदलना। वह एक सोसाइटी की झलक है। सोसाइटी बदलेगी तो बॉलीवुड बदल जाएगा। हमें ऐसी सोसाइटी बनाने है, जो बराबरी की हो, महिलाओं की इज्जत करे। ऐसा कुछ सोसाइटी होगी तो इंडस्ट्री में भी ऐसा हो जाएगा। मुझे लगता है कि औरत के अनगिनत लेबर पर हम गाने बनाते हैं। आज उसी की वजह से विज्ञापनों में कितना बदलाव है। यह बदलाव समाज में तेजी से दिखते हैं।

आप बेटी की मां हैं? आप उसे क्या सिखाना चाहेंगी?

मैं अपनी बेटी को बताऊंगी कि तुम अन्नपूर्णा हो पर शक्ति भी हो। काली का चित्र बेटी को दिखाऊंगी, जिसमें महिलायुग का सिर उनके हाथ

में है। ऐसी देवी आपको कहीं नहीं मिलेगी, हिंदुस्तान के अलावा। मेरी प्रेरणा मां काली हैं। मैं अपनी बेटी को भी यह सिखाऊंगी। सिर्फ बेटी की मां नहीं, बेटों की भी। मैं चाहूंगी कि एक दिन ऐसा आए कि जो रैप पीड़िता का नाम हम छिपाते हैं, उनकी गलती थी क्या? आदमियों का नाम ब्लर करना चाहिए।

चैरिटी करने की प्रेरणा कहां से मिली?

अली की जो मामी हैं, उन्होंने पूरे लॉकडाउन में बहुत सारे कारीगरों को नौकरी से नहीं निकाला इससे मुझे बहुत प्रेरणा मिली। मुझे लगा कभी भी चैरिटी करने से अच्छा है कि किसी को इतना सक्षम कर दो कि वह अपने परिवार के लिए कमा सके। इसकी अभी शुरुआत हुई है। इसमें छपाई का काम औरत करती हैं और कढ़ाई पुरुष करते हैं। महिला और पुरुष मिलकर काम करते हैं।

